Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -71 मंगलवार,10 जनवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

अगर ऐसा होता
अगर वैसा होता
यह निठल्लों की भाषा है।
- अफलातून -

संक्षिप्त समाचार

पुंछ में हिंदुओं के घरों पर पत्थरबाजी,लोगों में दहशत

श्रीनगर,09 जनवरी 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी द्वारा हिंदू परिवारों को एक बार फिर टारगेट किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में देर रात हिंदू लोगों के घरों में पत्थर मारे गए। जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोगों द्वारा पुलिस से सहायता मांगी गई है।
वहीं, इस घटना की जानकारी मिलने पर एसएचओ रंजीत सिंह राव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया। इस बीच नगर से हिंदुओं के संगठनों के पदाधिकारियों ने भी वहां पर पहुंचकर अल्पसंख्यकों से मुलाकात की और उन्हें हौसला दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना की जानकारी हासिल कर जांच शुरू कर दी है।
उधर, क्षेत्र के लोगों ने इस घटना की निंदा करने के साथ उनका कहना है कि कुछ शरारती तत्व गांव में सांप्रदायिक तनाव पैदा करना चाहते हैं इसलिए पुलिस को इस मामले की जांच करने के साथ ही गांव में सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए ताकि गांव का माहौल खराब न हो सके।

गैंगस्टर की करोड़ों की संपत्ति को पुलिस ने किया जब्त

मेरठ ,09 जनवरी 2023(ए)। मेरठ पुलिस ने इंटरनेशनल गौ तस्कर और गैंगस्टर अकबर बंजारा की संपत्ति जब्त कर ली है. पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए उसकी 6 करोड़ 30 लाख रुपए के तीन मंजिला मकान को जब्त किया है. मेरठ पुलिस अब तक बंजारा गैंग की 45 करोड़ से ऊपर की संपत्ति को जब्त कर चुकी है. दरअसल, मेरठ के फलावदा का रहने वाला अकबर बंजारा इंटरनेशनल गौ तस्कर था. पुलिस ने उसके ऊपर ढाई लाख रुपए का इनाम रखा था. वह पिछले साल मेरठ में अपने दो भाइयों सलमान बंजारा और शमीम बंजारा के साथ पकड़ा गया. फिर असम में पुलिस से भागने के दौरान अकबर और सलमान मुठभेड़ में मारे गए. इसके बाद मेरठ पुलिस लगातार बंजारा गैंग के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. गौ तस्करी के साथ-साथ फलावदा थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत शमीम पर मुकदमा दर्ज किया गया था. पुलिस ने उसके घर के बाहर नोटिस भी लगा दिया है. इसके साथ ही आज सोमवार को नौचंदी थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर सेक्टर-10 स्थित 6 करोड़ 30 लाख के मकान को जब्त किया गया है. इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था.

हाउस सर्जन पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार

तिरुनेलवेली ,09 जनवरी 2023(ए)। तिरुनेलवेली मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एक हाउस सर्जन (अनिवार्य रोटेटिंग मेडिकल इंटर्न) पर कथित तौर पर हमला करने वाले तीन व्यक्तियों में से एक को शनिवार को तिरुनेलवेली में गिरफ्तार कर लिया गया।

कंझावला केस में पुलिस पर भी लगे गंभीर आरोप

अंजलि की बेसहारा मां ने की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। दिल्ली कंझावला केस की दर्दनाक कहानी को लेकर पूरे देश के लोग स्तब्ध है। अंजलि के जाने से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एकतरफ जहां अंजलि की मां को इंसाफ की दरकार है, वहीं दूसरी ओर अंजलि के जाने से परिवार को संभालने की चुनौती का भी सामना करना है।
अंजलि की मां ने अब मामले को लेकर सीबीआई जांच की मांग की है। अंजलि की मां का कहना है कि अब तो घर में चोरी भी हो गई है और पुलिस कुछ भी नहीं कर रही है। अंजलि की मां ने कहा कि अंजलि की हत्या के मामले की की ष्ठ्वढ्ढ जांच होनी चाहिए।

नववर्ष की वो दुख भरी रात...

नववर्ष की रात अंजलि के परिवार के लिए दुखद रात साबित हुई। अंजलि को कई किलोमीटर तक घसीटने की घटना जब सामने आई तो दिल्ली समेत पूरे देश के लोगों का दिल दहल गया। इस घटना को लेकर दिल्ली पुलिस पर कई सवाल उठे। जिस रोड पर अंजलि को घसीटा गया, वहां आस-पास पुलिस बल तैनात नहीं था। इस मामले के सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने ताबड़तोड़ एक्शन लिए। पुलिस ने आरोपितों को धर दबोचा और आरोपितों के साथियों की भी पहचान की। मामले के सामने आने के कुछ ही दिनों में पुलिस ने अंजलि की दोस्त निधि की भी पहचान कर ली। निधि ने पूरी घटना को अपनी आंखों से देखा था। निधि ने भी केस को लेकर कई खुलासे किए।

अदालत ने छह आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 20 वर्षीय एक महिला की मौत के मामले में छह आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जो एक कार के नीचे फंस गई थी और उसकी मौत हो गई थी। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सान्या दलाल ने कहा, ÷14 दिन की न्यायिक हिरासत मंजूर की गई।÷अभियोजन पक्ष ने कहा कि हिरासत में पूछताछ के दौरान पाया गया कि आरोपियों को पता था कि पीड़ित का शव पहियों के नीचे घसीटा जा रहा है।
हालांकि, अतिरिक्त सरकारी वकील ने उन दोनों आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया, जो पहियों के नीचे क्या है, इसका निरीक्षण करने के लिए कार से उतरे थे।जांच अधिकारी ने अदालत को सूचित किया कि सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किए जा रहे हैं, कार द्वारा लिया गया मार्ग स्थापित किया जा रहा है और लगभग 20 गवाहों ने अपने बयान दर्ज किए हैं।
उन्होंने यह भी कहा कि एक नया गवाह, जो दुर्घटनास्थल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर था, जांच में शामिल हो गया है।पुलिस ने पिछले सोमवार को इस मामले में शुरुआत में दीपक खन्ना (26), अमित खन्ना (25), कृष्ण (27), मिथुन (26) और मनोज मित्तल को गिरफ्तार किया था।
उनकी तीन दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर, अदालत ने गुरुवार को उनकी हिरासत की अवधि चार दिनों के लिए बढ़ा दी। बाद में, उन्होंने आशुतोष को पकड़ा, जिसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।एक अन्य आरोपी अंकुश खन्ना ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और शनिवार को उसे जमानत मिल गई।20 साल की अंजलि सिंह की नए साल के शुरुआती घंटों में मौत हो गई थी, जब उनके स्कूटर को एक कार ने टक्कर मार दी थी, जो उन्हें सुल्तानपुरी से कंझावला तक 12 किमी तक घसीटती ले गई थी।

जबरन धर्मातरण गंभीर मुद्दा,इसे राजनीतिक न बनाएं

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की मदद मांगी। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि धर्म परिवर्तन एक गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। बल प्रयोग या प्रलोभन के जरिए धर्म परिवर्तन के खिलाफ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर पीठ में शामिल न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार ने एजी की मदद मांगी। न्यायमूर्ति शाह ने एजी से कहा ÷ यह धर्मांतरण का मामला है। जबरन धर्म परिवर्तन, प्रलोभन या कुछ अन्य चीजें, ये आरोप हैं .. हम कुछ भी नहीं कह रहे हैं, यह वास्तव में हुआ है या नहीं, हम अभी इस पर विचार कर रहे हैं। हम भारत के अटॉर्नी जनरल के रूप में इस पर आपकी मदद चाहते हैं।

उन्होंने पूछा, ऐसे मामले में क्या किया जाना चाहिए? .. स्वतंत्रता के अधिकार, धर्म के अधिकार और प्रलोभन द्वारा किसी भी चीज को धर्मांतरित करने के अधिकार में अंतर है। अगर ऐसा हो रहा है, तो क्या किया जाना चाहिए .. आगे क्या सुधारात्मक उपाय किए जा सकते हैं.. हम एजी से सहायता चाहते हैं।
तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने कहा कि यह याचिका राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने तर्क दिया कि राज्य में इस तरह के धर्मांतरण का कोई सवाल ही नहीं है। इस पर पीठ ने कहा, आपके इस तरह उत्तेजित होने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। अदालती कार्यवाही को अन्य चीजों में मत बदलिए। हमें पूरे देश की चिंता है.. अगर यह आपके राज्य में कुछ भी गलत नहीं हो रहा है, तो अच्छा है।इसे राजनीतिक मत बनाइए।
अदालत उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र और राज्यों को फर्जी धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सात फरवरी को निर्धारित की है।
शीर्ष अदालत ने उपाध्याय द्वारा अपने नाम पर दायर जनहित याचिका पर वकीलों की आपत्ति के रूप में कारण शीर्षक का नाम बदलकर पुन÷ धार्मिक रूपांतरण का मुद्दा कर दिया।
सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिसंबर को कहा था कि जबरन धर्मांतरण बहुत गंभीर मुद्दा है और इस बात पर जोर दिया था कि दान का स्वागत है, लेकिन दान का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए।
शीर्ष अदालत ने केंद्र को धर्मांतरण विरोधी कानूनों और अन्य प्रासंगिक सूचनाओं के संबंध में विभिन्न राज्य सरकारों से आवश्यक प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद एक विस्तृत जवाब दाखिल करने की अनुमति दी।

एआईडीडब्ल्यूए की अध्यक्ष बनने वाली पहली केरलवासी बनी पी.के. श्रीमती

तिरुवनंतपुरम ,09 जनवरी 2023(ए)। केरल की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पी.के. श्रीमती को सोमवार को 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में माकपा समर्थित अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ (एआईडीडब्ल्यूए) का नया अध्यक्ष चुना गया। संयोग से श्रीमती, कन्नूर से पूर्व लोकसभा सदस्य भी, पूर्व राज्य मंत्री सुशीला गोपालन के बाद एआईडीडब्ल्यूए की अध्यक्ष बनने वाली पहली केरलवासी हैं।

गोपालन ने 1998 में इस पद को संभाला था। मौजूदा महासचिव मरियम धवले को उसी पद के लिए चुना गया था। एआईडीडब्ल्यूए को देश में सबसे बड़े महिला संगठन के रूप में जाना जाता है। केरल के अन्य पदाधिकारियों में राज्य की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान माकपा विधायक के.के. शैलजा, पूर्व लोकसभा सदस्य और केरल राज्य महिला आयोग की वर्तमान अध्यक्ष पी. साथीदेवी और सुसान कोशी, पी.के. साईनाबा को उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया, जबकि पूर्व लोकसभा सदस्य सी.एस. सुजाता और एन. सुकन्या दोनों को सचिव के रूप में चुना गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या इसी तरह की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र से उत्तराखंड में जोशीमठ संकट की जांच के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त संयुक्त समिति गठित करने का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता से सोमवार को कहा कि क्या इसी तरह की कोई याचिका उच्चतम न्यायालय में भी दायर की गई है।
न्यायमूर्ति सतीश चंदर शर्मा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ एडवोकेट रोहित डांडरियाल द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी।
याचिका जोशीमठ के प्रभावित जिलों के लिए दायर की गई थी, जिसमें एक आयोग के गठन और सभी संबंधित मंत्रालयों के सदस्यों को इस पर तुरंत गौर करने का आदेश देने की मांग की गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि पिछले वर्षों में जोशीमठ में किए गए निर्माण कार्य ने वर्तमान स्थिति के लिए ट्रिगर का काम किया और ऐसा करके प्रतिवादियों ने निवासियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया। तर्क ने

यह भी दावा किया कि प्रतिवादी को वर्तमान में एक कल्याणकारी राज्य के रूप में व्यवहार करने की आवश्यकता है और वह अपने निवासियों को समकालीन और रहने योग्य आवास प्रदान करने के लिए बाध्य है।
इसने आगे कहा कि यह जरूरी है कि केंद्र सरकार गढ़वाल क्षेत्र के निवासियों की कठिनाइयों को पहचानें और उन्हें एक सभ्य जीवन के लिए आवश्यक चीजों तक पहुंच प्रदान करने के लिए कार्रवाई करें।
दलील में कहा गया है÷ ÷6,000 फीट की ऊंचाई पर चमोली की शांत पहाड़ियों में बसे पवित्र शहर पर हमला करने के लिए सबसे अजीब घटनाओं में से एक, 2021 से घरों में दरारें और क्षति का विकास शुरू हो गया है, जिससे निवासी चिंतित और चिंतित हैं। पहली रिपोर्ट के बाद से चमोली में भूस्खलन के बाद 2021 में दरारें, 570 से अधिक घरों में लगातार क्षति या दरारें आई हैं क्योंकि निवासियों ने बाद के वर्षों में बार-बार भूकंपीय झटके महसूस किए।

जोशीमठ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। जोशीमठ संकट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वो मंगलवार को मेंशनिंग लिस्ट में केस को शामिल करें, तब वो इस मसले की सुनवाई पर विचार करेंगे। ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।इस याचिका में प्रभावित लोगों के पुनर्वास के साथ उनको आर्थिक मदद मुहैया कराने का भी आदेश देने का आग्रह कोर्ट से किया गया है। याचिका में जोशीमठ क्षेत्र की जनता के जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भूस्खलन, भू-धंसाव, भूमि फटने जैसी घटनाओं से निपटने के लिए उसे राष्ट्रीय आपदा की श्रेणी में घोषित कर

त्वरित और कारगर कदम उठाने का आदेश केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को देने की गुहार लगाई गई है।
इसी के साथ इस याचिका में कहा गया है कि एनटीपीसी और सीमा सड़क संगठन को भी राहत कार्यों में मदद करने का आदेश दिया जाए। याचिका में केंद्र सरकार, एनडीएमए, उत्तराखंड सरकार, एनटीपीसी, बीआरओ और जोशीमठ के जिले चमोली के जिलाधिकारी को पक्षकार बनाया गया है।

एमएचए ने यूएपीए के तहत खालिस्तान टाइगर फोर्स के सहयोगी अर्शदीप सिंह गिल को आतंकवादी घोषित किया

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। खालिस्तान टाइगर फोर्स के सहयोगी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया।
एक अधिसूचना में, मंत्रालय ने कहा, अर्श दल्ला, जो वर्तमान में कनाडा में स्थित है, आतंकवादी गतिविधियों के अलावा हत्या, जबरन वसूली और लक्षित हत्याओं जैसे जघन्य अपराधों में शामिल है, जिसमें आतंक के वित्तपोषण, और बड़े पैमाने पर ड्रग्स या हथियारों की सीमा पार तस्करी शामिल है। पैमाना।
वह यूएपीए के तहत नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर का भी काफी करीबी माना जाता है और उसकी ओर से आतंकी मॉड्यूल चलाता है।
गृह मंत्रालय ने कहा, ÷अर्श डल्ला राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा दर्ज और जांच किए गए विभिन्न मामलों में आरोपी है, जिसमें लक्षित हत्या, आतंक के वित्तपोषण के लिए धन उगाही, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ना और पंजाब राज्य में लोगों के बीच आतंक पैदा करना शामिल है।÷
अर्शदीप सिंह गिल को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 35 की उप-धारा (1) के खंड (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केंद्र सरकार द्वारा एक आतंकवादी के रूप में नामित किया गया था।

अधिसूचना में कहा गया है, केंद्र सरकार का मानना है कि अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला आतंकवाद में शामिल है और उसे उक्त अधिनियम के तहत आतंकवादी के रूप में जोड़ा जाना है।
हिजबुल और लश्कर के गुर्गों को आतंकवादी घोषित किया गया
पिछले हफ्ते, एमएचए ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कश्मीर के युवाओं को भड़काने में शामिल होने के लिए हिजबुल मुजाहिदीन के संचालक डॉ आसिफ मकबूल डार को यूएपीए के तहत एक आतंकवादी के रूप में चिह्नित किया।
मंत्रालय ने आरोप लगाया, डॉ आसिफ मकबूल डार सोशल मीडिया पर प्रमुख कट्टरपंथी आवाजों में से एक है और कश्मीरी युवाओं को भारत सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ हथियार उठाने के लिए प्रभावित करने में शामिल है।÷
केंद्र ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य अरबाज़ अहमद मीर को शिक्षक रजनी बाला सहित लक्षित हत्या में उनकी भूमिका के लिए यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया। जम्मू-कश्मीर का रहने वाला मीर पाकिस्तान में रहता है और लश्कर के लिए काम करता है।
मीर लक्षित हत्या में शामिल है और जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में एक महिला शिक्षक रजनी बाला की हत्या में मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है। वह कश्मीर घाटी में आतंकवाद का समन्वय करने और अवैध हथियारों या गोला-बारूद या विस्फोटकों का परिवहन करके आतंकवादियों का समर्थन करने में भी शामिल है।÷ सीमा पार से, ÷अधिसूचना ने कहा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में इसी महीने में होगा फेरबदल

नई दिल्ली,09 जनवरी 2023(ए)। 2024 में आम चुनाव से पहले मोदी सरकार 2.0 का आखिरी कैबिनेट फेरबदल जल्द ही होगी और यह एक बड़ा झटका हो सकता है, जबकि राज्यों के चुनावों में जाने वाले नेताओं को वरीयता दी जा सकती है, सूत्रों ने कहा।
2023 में, नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में चुनाव होने वाले हैं, और भाजपा कर्नाटक और तेलंगाना में एक उच्च-ऑक्टेन लड़ाई की तैयारी कर रही है, जबकि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।
सूत्रों का कहना है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मध्य प्रदेश में बदलाव पर विचार कर रहा है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन फेरबदल में तेलंगाना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान से नए चेहरे केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हो सकते हैं।
बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कर्मचारियों की संख्या कम हो सकती है, लेकिन प्रदर्शन करने वाले कुछ मंत्रियों को बनाए रखा जा सकता है। सहकारिता के लिए एक पूर्णकालिक मंत्री भी विचाराधीन है।
सूत्रों का कहना है कि एक से अधिक पोर्टफोलियो रखने वाले कई मंत्रियों को नए प्रवेशकों के लिए

कुछ से विभाजित किया जा सकता है। वर्तमान में एक से अधिक पोर्टफोलियो रखने वाले मंत्रियों में मनसुख मंडाविया, अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अश्विनी वैष्णव, स्मृति ईरानी और निर्मला सीतारमण शामिल हैं।
केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक अल्पसंख्यक चेहरे को भी शामिल किया जा सकता है और सूत्र बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर के व्यक्ति पर विचार किया जा सकता है।
इस बीच, भारतीय जनता पार्टी के आने वाले चुनावों के मद्देनजर अपने संगठनात्मक ढांचे को अपरिवर्तित रखने की संभावना है।
÷लोकसभा चुनाव और आने वाले दिनों में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने फैसला किया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा और प्रदेश अध्यक्षों को तब तक नहीं बदला जाएगा जब तक कि कोई प्रतिस्थापन की मांग नहीं की जाती है, ÷एक सूत्र ने कहा। सूत्र ने कहा, ÷और जब तक ज्यादा जरूरी नहीं होगा तब तक संगठन में कोई बदलाव नहीं होगा।16 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के बाद इस संबंध में औपचारिक घोषणा।पार्टी अध्यक्ष के रूप में नड्डा का तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में समाप्त हो रहा है।

संपादकीय

विपक्षी स्वरों को जोड़ना

तो फिर भारत जोड़ो यात्रा किसलिए है? अगर इसके पिछले चार महीने के अनुभवों पर गौर करें, तो यह साफ हुआ है कि इससे आज के हालात के असंतुष्ट लोगों को सामने आने का एक मौका मिला है, जो अपना दम घूंटता महसूस कर रहे थे।

भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने से पहले यह सवाल उठा कि क्या राहुल गांधी का यह प्रयास विपक्षी दलों को एक साथ लाने में कामयाब हो सकेगा। यह सवाल को खास बल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव कि एक टिप्पणी से मिला, जिसमें उन्होंने यात्रा में शामिल होने से इनकार करते हुए कांग्रेस और भाजपा को एक जैसी पार्टी बता दिया। हालांकि बाद में यात्रा में शामिल होने के आमंत्रण का जवाब भेजते हुए उन्होंने यात्रा को अपनी शुभकामनाएं दीं। ऐसी शुभकामना मायावती ने भी दी। इसके बावजूद चुनावी समीकरणों की दृष्टि में उलझे मीडियाकर्मियों की चर्चा में यह सवाल बना हुआ है कि क्या इस यात्रा से अगले चुनावों में कांग्रेस या कुल विपक्ष की संभावनाएं बेहतर होंगी। इस सवाल के बारे में यह बात लगभग भरोसे के साथ कही जा सकती है कि ऐसा नहीं होगा। और कम से कम राहुल गांधी को इस बारे में कोई भ्रम नहीं है।

31 दिसंबर की अपनी प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने फिर दो टूक कहा कि टैक्टिकल-पॉलिटिकल प्रयासों से भाजपा-आरएसएस को हराना फिलहाल संभव नहीं रह गया है। तो फिर भारत जोड़ो यात्रा किसलिए है? अगर इसके पिछले चार महीने के अनुभवों पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि इससे भारतीय राजनीति में जारी गतिरोध टूटा है। इससे आज के हालात के असंतुष्ट और असहमत उन लोगों को सामने आने का एक मौका मिला है, जो अपना दम घूंटता महसूस कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में यात्रा के प्रवेश के दिन पूर्व रॉ प्रमुख एएस दुलत का इसमें शामिल होना बताता है कि इस तरह के लोग उस एक ऐसे द्वार की तलाश में हैं, जिससे वे अपनी कल्पना के भारत को वापस हासिल करने के लिए अपने बंद दायरे से बाहर आ सकें। राम जन्मभूमि मंदिर के पुजारी महंत सत्येंद्र दास की राहुल गांधी को लिखी गई चिट्ठी भी ऐसी ही भावना का संकेत देती है। इस रूप में भारत जोड़ो यात्रा ने विपक्षी स्वरों को जोड़ना शुरू किया है। लेकिन यह लंबा रास्ता है। अगर यात्रा उस पर आगे बढ़ने में सक्षम साबित हुई, तो विपक्षी ताकतें भी जुड़ेंगी, यह उम्मीद की जा सकती है।

मातृभाषा हिन्दी

भाषा कोई भी हो चाहे वो अंग्रेजी या फ्रांसीसी ,
जब भी बोली जाती है आधार बनाएगी हिन्दी,
अक्षर क्षर क्षर हो जाएं पर हिन्दी रहती अक्षरणीय,
सारी भाषाओं की ध्वनियों का विज्ञान है ये हिन्दी
केवल राष्ट्र की भाषा ही न राष्ट्र का गौरव है हिन्दी
मन को मोहित करने वाली सुमन सौरव है हिन्दी
भक्ति की स्वर लाहिरी सी, सुगंधित धूप लोभान जैसी
भोर भए नभ में खग वृन्दों का कलरव है हिन्दी!!
भाषा की नैसर्गिकता से पहचान कराती है हिन्दी
भारत की समृद्ध विरासत का ज्ञान कराती है हिन्दी,
अलंकार,रस,छंदों संग काव्यों में अमृत घुलता है
विश्व में हिन्दी भाषी को सम्मान दिलाती है हिन्दी!!
सारे विश्व की भाषाओं को ध्वनि प्रदान करने
वाली भारत की भाषा ÷हिन्दी÷ को कोटि कोटि
नमन वंदन अभिनंदन...!!
आप सभी को हिन्दी दिवस की अनंत बधाई
और शुभ कामनाएं...
हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है,इस पर गर्व कीजिए..
हिन्दी बोलिए, हिन्दी लिखिए..

वीरेन्द्र जैन
नागपुर
महाराष्ट्र

दुनियाभर में 80 करोड़ से भी ज्यादा लोग बोलते हैं हिन्दी

हिन्दी की निरन्तर बढ़ती ताकत

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों किन्तु सच यही है कि हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है। सही मायनों में विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है भारत की राजभाषा हिन्दी, जो न केवल भारत में बल्कि अब दुनिया के अनेक देशों में भी बोली और पढ़ी जाती है। वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती ताकत का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं और दुनियाभर के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। दुनियाभर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करने तथा हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' भी मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तत्पश्चात् भारत के बाहर मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका इत्यादि देशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' के द्वारा जब हिन्दी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया जाता है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में प्रथम स्थान पर अंग्रेजी, दूसरे स्थान पर चीनी भाषा मंदारिन और तीसरे स्थान पर हमारी हिन्दी आती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी 22 जून 2022 को संयुक्त राष्ट्र की सूचनाएं हिन्दी में दिया जाना स्वीकार किया गया और अब उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की अधिकारिक भाषा का भी जर्जा मिलेगा। यदि दुनियाभर हिन्दी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो 80 करोड़ से भी ज्यादा लोग अब हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिन्दी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता था, वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिन्दी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले की संख्या अब अंग्रेजी

में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर चौदह करोड़ से ज्यादा हो जाने का अनुमान है। इंटरनेट पर हिन्दी का जो दायरा कुछ समय पहले तक कुछ ब्लॉगों और हिन्दी की चंद वेबसाइटों तक ही सीमित था, अब हिन्दी अखबारों की वेबसाइटों ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध तथा जन-जन की भाषा बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी का भी उपयोग करने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए भारत में ई-कॉमर्स साइटें भी ज्यादा से ज्यादा

ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए हिन्दी में ही अपनी 'एप' लेकर आ रही हैं। हिन्दी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है। यदि 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें तो 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वालों की संख्या में हमारे देश में करीब 10 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2001 में जहां 41.03 फीसदी लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया था, वहीं 2011 में ऐसे लोगों की संख्या करीब 42 करोड़ के साथ 43.63 फीसदी दर्ज की गई और जिस प्रकार हिन्दी का चलन लगातार बढ़ रहा है, माना जाना चाहिए कि उसके बाद के करीब एक दशक में हिन्दी बोलने वालों की संख्या में कई करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई है।

भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बुरा प्रभाव पड़ा। इसी कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे और गर्व का विषय यह है कि अब सैंकड़ों देशों में हिन्दी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यदि भारतीय परिवेश में हिन्दी के प्रचलन को लेकर बात की जाए तो यह चिंता की बात है कि भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। हिन्दी का लगभग 1.2 लाख शब्दों का समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का दिल खोलकर इस्तेमाल करते हैं।

ऐसे में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर लोगों को हिन्दी भाषा के विकास, हिन्दी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है कि हिन्दी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्त्तव्य है और जब तक सभी लोग इसका उपयोग नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा। उन्हें यह अहसास कराए जाने का भी प्रयास किए जाने की सख्त दरकार है कि भले ही दुनिया में अंग्रेजी भाषा का सिक्का चलता हो लेकिन हिन्दी अब अंग्रेजी भाषा से ज्यादा पीछे नहीं है।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

पानी : अब मसला नहीं मिशन

नीति आयोग के सर्वे के अनुसार देश में साठ करोड़ की आबादी भीषण पेयजल संकट का सामना कर रही है।

अपर्याप्त और प्रदूषित पानी के इस्तेमाल से देश में हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ के मुहैया कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस तरह पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 शहरों का पानी पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा।

आज उष्णता और सूखा जैसे संकट के बीच भारत सहित दुनिया के तमाम देश अपनी परंपरा और सरोकारों में पानी सहेजने से जुड़ी चिंताओं पर नये सिरे से बात कर रहे हैं। इस चिंता और इससे जुड़े विमर्श का सकारात्मक हासिल यह है कि अब सरकारों के लिए पानी मसला नहीं, बल्कि मिशन का नाम है। पानी के मुद्दे पर मसला से मिशन के इस सफरनामे को अपने देश में ही नहीं, दुनिया के स्तर पर भी देखना दिलचस्प है। इस सफर के एक छोर पर सिंगापुर जैसा छोटा मुल्क है, तो दूसरे छोर पर भारत जैसी विशाल आबादी और भूगोल वाला देश।

बात सिंगापुर की करें तो वि में जल प्रबंधन के जितने भी मॉडल हैं, उनमें सिंगापुर का मॉडल अव्वल माना जाता है। आने वाले चार दशकों के लिए आज सिंगापुर के पास पानी के प्रबंधन को लेकर ऐसा ब्ल्यूप्रिंट है, जिसमें जल संरक्षण से जल शोधन तक पानी की किफायत और उसके बचाव को लेकर तमाम उपाय शामिल हैं।

सिंगापुर की खास बात यह भी है कि उसका जल प्रबंधन शहरी क्षेत्रों के लिए खास तौर पर मुफीद है। ग्रामीण आबादी वाले इलाकों में सिंगापुर का मॉडल शायद ही ज्यादा कारगर हो। सिंगापुर से भारत सीख तो सकता है, पर इस देश की आबादी और भूगोल ज्यादा मिश्रित और व्यापक है। फिर हमारे यहां पानी के अभाव से ज्यादा बड़ा सवाल उसके संग्रहण और वितरण का है। लिहाजा, पानी को लेकर भारतीय दरकार और सरोकार सिंगापुर से खासे भिन्न हैं।

अलबत्ता, इसे भारतीय राजनीति में प्रकट हुए सकारात्मक बदलाव के साथ सरकारी स्तर पर आई नई योजनागत समझ भी कह सकते हैं कि अब स्वच्छता और घर-घर नल से जल की पहुंच जैसा मुद्दा साल के एक या दो दिनों नारों-पोस्टरों में जाहिर होने वाली कामना और सद्भावना से आगे सरकार की घोषित प्राथमिकता है। 2014 में लाल किले से तिरंगा फहराते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी का स्मरण किया और स्वच्छता के मुद्दे को सरकार और समाज, दोनों के एजेंडे में शामिल कराने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

यह देश में राजनीति के उस बदले आधार और सूचकांक का भी संकेत था, जिसमें आगे साफ-साफ तय हुआ कि सुशासन का मुद्दा महज सरकारी दफ्तरों में फाइलों के तेजी से आगे बढ़ने और योजनागत खर्चे में शून्य की गिनती बढ़ते जाने का नाम भर नहीं है। स्वच्छता के बाद जिस तरह पानी के मुद्दे को 2019 में भारत सरकार जल जीवन मिशन के तौर पर लेकर सामने आई, वह दिखाता है विकास का रंग हरा या धूसर के साथ साथ नीला भी होना चाहिए।

इस मिशन के तहत 15 अगस्त, 2019 से 19 अप्रैल, 2022 तक अगर देश के ग्रामीण इलाकों में दस करोड़ से ज्यादा पानी के नये कनेक्शन दिए गए हैं, राज्य सरकारों के बीच 2024 से पहले सफलता के शत-फीसद लक्ष्य को हासिल करने को लेकर स्वस्थ होड़ छिड़ी है, तो यह देश में राजनीति और शासन का भी वह बदला चेहरा है, जिसे देखने के लिए नये और धुले चश्मे की दरकार है। कॉरपोरेट और सरकारी, दोनों की भागीदारी समाज में प्रभावशाली बदलाव ला सकती है। इसमें सामुदायिक भागीदारी को शामिल कर दिया जाएगा तो परिणाम और भी कारगर होंगे।

कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन और एसएम सहगल फाउंडेशन ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और कर्नाटक के कोलार जिले में जलधारा परियोजना शुरू की थीं, जो अति-पिछड़े, शोषित, सूखे से प्रभावित, असंतुलित वर्षा और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। दरअसल, अनंतपुर क्षेत्र असंतुलित वर्षा पैटर्न के कारण लगातार सूखे की चपेट में रहता है, और भूजल का गिरता स्तर किसानों के लिए समस्या बन गया था, जिसके कारण क्षेत्र में कृषि उत्पादकता कम थी। जलधारा परियोजना और लोगों के प्रयासों से अनंतपुर में 5 चेक डैम का निर्माण किया गया। फलतः वहां 77 प्रतिशत किसानों ने अपनी फसल की उपज में वृद्धि देखी।

कोलार में जलधारा परियोजना के तहत पारंपरिक पानी की टंकियों की गाद निकाली गई। डिसिल्टेशन पानी से रेत और अन्य कणों को हटाने की प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया ने भूजल के रिसाव में भी वृद्धि की जिससे बोरवेल के जल स्तर में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यहां 56 प्रतिशत किसानों ने स्वीकारा कि फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। परियोजना के तहत चेक डैम निर्माण की जिम्मेदारी लेने के लिए समुदायिक भागीगारी बढ़ने पर विशेष जोर दिया गया क्योंकि पानी की समस्या हल करने के लिए कॉरपोरेट और सरकारी क्षेत्र की साझा जिम्मेदारी के साथ ही सामुदायिक भागीदारी भी जरूरी है।

-डॉ. दर्शनी प्रिय-

स्त्री-पुरुष :दोनों के स्वभाव में अन्तर

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

स्त्री और पुरुष मिलकर ही सृष्टि की रचना करते हैं प्रकृति ने उन्हें शारीरिक रचनाओं में जो अंतर बनाया है उसके अलावा उन दोनों के बीच प्रकृति द्वारा दिए गए स्वभाव, जन्म अंतर भी होते हैं और इन्हीं के अंतर के मापदंड से पता चलता है कि दोनों एक दूसरे से स्वभाव से क्यों अलग होते हैं। जहां तक शक का प्रश्न है महिलायें पुरुषों की अपेक्षा शक़ जल्दी करती हैं और शक की सच्चाई जानने की पूरी कोशिश करती हैं लेकिन जहाँ तक कानों से सुनने का सवाल है तो यह शक्ति महिलाओं में ज्यादा अच्छी होती है तथा उम्र के साथ-साथ जल्दी क्षीण नहीं होती जबकि पुरुषों में सुनने की शक्ति महिलाओं के मुकाबले कम उम्र में ही होने लगती है लेकिन महिलाओं में अगर एक बार सुनने की शक्ति कम होने लग जाए तो वह पुरुषों की अपेक्षा तीव्र गति से गिरती है। महिलायें भावनात्मक होती है लेकिन पुरुष बाहरी आवरण से कठोर होते हैं लेकिन महिलायें अंदर से कोमल होती हैं महिलायें रो देती हैं और अपना दुख हल्का कर लेती हैं, लेकिन पुरुष अपने अंतर्द्वंद को किसी से व्यक्त नहीं करता है। अक्सर मौखिकता के मामले में भी लड़कियाँ मौखिक इम्तिहान में अच्छा परिणाम दिखाती है, जबकि लड़के दूसरे तरह के परीक्षण में अपना दबदबा कायम करते हैं। अधिकतर स्त्रियों के मुकाबले पुरुषों की आंखें अच्छी होती है परंतु इसके विपरित अधिकांश महिलायें अंधेरे में भी किसी वस्तु को पुरुषों के मुकाबले जल्दी ढूंढ सकती हैं क्योंकि महिला में दक्षता अधिक होती है किसी भी कार्य को लेकर में सचेत रहती है। अधिकतर यह देखा गया है कि विधुर की बजाय विधवा अधिक उम्र तक जी लेती है क्योंकि वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शीघ्र सामंजस्य बैठा लेती है इसके विपरीत विधुर समाज से कटे कटे से रहते हैं। अधिकतर पढ़ाई के मामले में भी लड़कियां ज्यादा संजीदा होती है वह अपने अध्ययन कार्य को मन लगाकर एकाग्रता के साथ करती हैं लेकिन पुरुषों का मन एक जगह नहीं टिकता है वह महिलाओं को अपने साथ यदि प्रतिस्पर्धा में पाता है तो अपनी हार बर्दाश्त नहीं कर सकता इसलिए वह अपना दबदबा हर क्षेत्र में बनाना चाहता है। महिलायें कोई भी काम को अपनी बुद्धिमता के साथ आराम से करना पसंद करती हैं जबकि पुरुष बीच-बीच में अचानक अपने स्वभाव के कारण काम करने के नए-नए तरीके अपनाता है। युवक अपनी जीवनसंगिनी चुनने के पहले युवती की सुंदरता को अधिक महत्व देता है फिर उसके गुण देखता है जबकि युवतियों के लिए सुंदरता के अलावा पुरुषों के दूसरे गुण भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं जैसे वो कितना कमाता है? परिवार चलाने में सक्षम है कि नहीं।

महिलायें अपने संबंधों को मजबूत बनाने के लिए परिवार में मिलजुल कर उनकी पसंद ना पसंद को ध्यान में रखकर गृहस्थी चलाती है लेकिन पुरुषों में परिवार का मुखिया बनने की सोच कायम रहती है वह सर्वेसर्वा और खुद को परफेक्ट मानता है। महिलायें अक्सर घर की साज-सज्जा पर अपना ध्यान केंद्रित करती है किसी भी सामान को वह उसकी निश्चित जगह पर रखती है पर इसके विपरीत पुरुष बेपरवाह होते हैं वह कपड़े, जूते, कंघी, टॉवल सभी अव्यवस्थित रूप से यहाँ वहाँ पड़े रहने देते हैं। महिलायें बच्चों में संस्कार भरकर उसकी भावनात्मक रूप से परवरिश करती है और पुरुष बच्चों को सशक्त रहने का पाठ पढ़ाते हैं। माचिस जलाते समय महिलायें तीली को बाहर की तरफ रगड़ती है जबकि यही काम पुरुष तीली को अंदर की तरफ रगड़ते हुए करता है। मानसिक अंतर के साथ-साथ इनके घरेलू कार्यों में होने बाली हर बातों में स्वाभाविक अन्तर होता है फिर भी दोनों अपने हिसाब से सुचारू रूप से कार्य करने की कोशिश करते हैं भले ही तरीके अलग हो पर होते पूरक ही है।

हादसा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

आईना जीने का अंदाज़ यूं सिखाता है
कभी कभी हमें खुद से भी यूं मिलाता है
चलो कभी तो कारवां से जुदा होके तुम
खुद बखुद रास्ता बन जाता है
रास्ते पे कभी गिरने से हम नहीं टूटे
हौसला और भी बुलंद सा हो जाता है
शहरों की भीड़ में न जाना तुम
दिल की तनहाइयां जगाता है
भीग जाती हैं फिजाएं अभी भी अश्कों से
हादसा याद जब वो आता है

तेरी नजरों की शराब

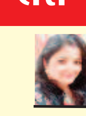

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

ज़िन्दगी के रास्तों पे कोई गुल मिले या ख़ार
कफ़-ए-पा बढ़ा के चूमते हैं दोनों को हर बार
नज़रों से तू पिलाये तो इनकार कैसे हो
तेरी नज़रों की शराब के हैं हम भी बादा-ख़्वार
तारीकी रातों का भी हमें ख़ौफ़ कहाँ है
रोशन करे जहान सारा हम हैं वो शरार
इक आप से ही है हमें उल्फ़त ज़माने की
इक आप ही सनम हुए हमारे राज़-दार
रुकना न सीखा राहों पे, बढ़ते गए क़दम
अपनी धुन पे गीत गाएँ, दिल की यही दरकार

तेरी आरज़ू

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

तेरी आरज़ू,तेरी ख्वाहिश में भींग गए।
आज हम प्यार की बारीश में भींग गए।
सावन के दिन है तंहाई पिघल जाए,
एक दूसरे की समझाईश में भींग गए।
बर्क सी लहराई वो बाहों में सिमट गए,
साँसों से साँसों की आजमाईश में भींग गए।
नशीला सावन न कही हमें रूसवा कर दे,
यूँ दूर दूर जाने की कोशिश में भींग गए।
रिमझिम फुहारों में सुलगते रहे जिस्म,
हम रेशमी बदन की तपिश में भींग गए।

शोर

आशीष शर्मा
अमृत
जयपुर, राजस्थान

इस सन्नाटे में मेरे अंदर क्यूँ हो रहा एक शोर सा
है उजाला फिर भी मन में अंधेरा बड़ा घनघोर सा
हूँ किसी राह पे खड़ा पर जाने क्यूँ थमा सा हूँ मैं?
जाने किसका है मुझे इंतेज़ार क्यूँ खोया सा हूँ मैं?
दिल में अब हो रहा इकट्ठा बातों का एक ढेर सा
ढेरों हैं सवाल,ना मिलता कोई जवाब आसान सा
दिल और दिमाग में आज भी दिल की सुनता हूँ मैं
टूटता हूँ अक्सर फिर भी यही गलती दोहराता हूँ मैं
अपनों में अब नज़र नहीं आता अपनापन पहले सा
जज़्बातों को जैसे सभी ने बना लिया एक खेल सा
हर गैर को अपना समझ, दिल खोल के
मिलता हूँ मैं
अपनों को,अपना बनाने की हमेशा जुगत
करता हूँ मैं

वाह! ये यात्राएं...

यात्रा का मतलब एक निर्धारित स्थान से दूसरे निर्धारित स्थान तक किसी उद्देश्य के साथ जाने को कहते हैं! ये यात्राएं पौराणिक काल से चलती आ रही है! सबसे पहले किसने यात्रा की इसका तो पता नहीं! कुछ लोगों का कहना है कि सबसे पहले श्री रामचंद्र जी ने यात्रा की, जबकि कुछ और लोगों का मानना है कि श्री परशुराम ने यात्रा का शुभारंभ किया! बहरहाल, भारत में समय-समय पर अध्यात्मिक तथा राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यात्राएं होती रहती हैं! हमारे देश में सावन के महीने में श्रद्धालु लोग कावड़ यात्रा करते हैं! हरिद्वार से अपने अपने शहर में कावड़ में गंगाजल लेकर, भजन कीर्तन करते हुए पैदल जाते हैं! श्रद्धालु लोग इनकी सेवा सुरक्षा के लिए तथा रात को ठहरने के लिए सड़क मार्गों पर खाने, पीने तथा ठहरने की व्यवस्था करते हैं! कावड़ यात्रा करने वाले बेशक हरिद्वार से अपने शहर तक गंगाजल कावड़ में ले जा रहे होते हैं, असल में इनके मन में कितनी सच्ची भावना होती है इसका पता या तो परमात्मा को होता है या फिर इनको होता है! आजकल साल में दो बार कावड़ यात्रा होने लगी है! कुछ लोग तीर्थ यात्रा को जाते हैं! अलग-अलग शहरों से श्रद्धालु लोग चार्टर्ड बस करते हैं तथा गंतव्य तेरे स्थान पर जाते हैं! रास्ते में कभी भजन कीर्तन करते हैं और कभी हंसी मजाक भी करते हैं आखिरकार अपने शहर से तीर्थ स्थान तक का समय भी तो काटना है!

अगर देखा जाए तो यह जीवन भी तो एक यात्रा है! इस दुनिया में हमारा आगमन मां के गर्भ से एक बच्चे के तौर पर होता है! तभी से हमारी जीवन यात्रा शुरू हो जाती है! हम बचपन, जवानी और बुढ़ापा गुजारते हैं और इस जीवन का सुख और दुख भोग कर फिर हमारी आत्मा प्रभु चरणों में लीन हो जाती है! जीवन मरण का यह सफर 84 लाख जूनिया तक चलता रहता है! कभी खत्म नहीं होता! जब से परमात्मा ने सृष्टि चक्कर चलाया है तब से यह यात्रा जारी है और जारी ही रहेगी! जब आदमी मरता है तब उसकी अर्थी को दाह संस्कार के लिए शमशान भूमि ले जाते हैं! वह उसकी अंतिम यात्रा होती है! उस यात्रा में चार आदमी उसकी अर्थी को कंधे पर बैठाकर.... राम नाम, सत्य है, सत्य बोलो, गत है... बोलते हुए शमशान भूमि की तरफ ले जाते हैं! उसकी अर्थी के पीछे परिवार के सदस्यों के अलावा उसके प्रति सहानुभूति रखने वाले लोग भी पीछे पीछे चलते हैं! इसको अंतिम यात्रा इसलिए कहते हैं क्योंकि इसके बाद मृतक व्यक्ति फिर कभी ना तो खुद जाएगा और ना ही उसे कोई ले जाएगा! इस तरह हमारे समाज में यात्राओं का होना एक प्राकृतिक तथा स्वभाविक प्रक्रिया है!

लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हो जाती! हमारे देश में राजनीतिक यात्राएं चलती रहती हैं! अंग्रेजों से आजादी प्राप्त करने के लिए महात्मा गांधी के नेतृत्व में बहुत सारे आंदोलन तथा यात्राएं हुई! महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 में ब्रिटिश सरकार के नमक पर एक अधिकार को तोड़ने के लिए डांडी यात्रा निकाली! इस यात्रा में लोगों का जनसमूह गांधीजी के पीछे हो लिया और महात्मा गांधी ने नमक बनाकर ब्रिटिश सरकार की नींद हराम कर दी! इसी तरह समय-समय पर महात्मा गांधी संप्रदायिक सौहार्द के लिए भी यात्रा निकाला करते थे! महात्मा गांधी के नेतृत्व में कई प्रकार की यात्राएं, आंदोलन तथा अमरण व्रत रखने का ही परिणाम था कि 15 अगस्त, 1947 को भारत ने अंग्रेजों से आजादी प्राप्त कर ली!

स्वतंत्र भारत में राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यात्राओं का निकालना एक आम बात हो गई है! समय-समय पर हमारे राजनेताओं ने सत्ता प्राप्ति के लिए तथा तत्कालीन सरकारों के कारनामों के खिलाफ यात्राएं की हैं! इन यात्राओं में से कुछ यात्राएं अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में

सफल भी हुई हैं और कुछ यात्राएं संकेतिक तथा यादगार मात्र बनकर रह गई हैं! 1983 में समाजवादी नेता चंद्रशेखर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री, श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ कन्याकुमारी से दिल्ली तक 4200 किलोमीटर की और बाद में वह देश के प्रधानमंत्री बनने में भी सफल हुए!

1987 में सिने जगत के प्रसिद्ध कलाकार, सुनील दत्त ने उग्रवाद के खिलाफ तथा देश में शांति बनाए रखने को लेकर मुंबई से अमृतसर, स्वर्ण मंदिर तक यात्रा की! कहना न होगा कि इस यात्रा में उनकी बेटी प्रिया दत्त भी उनके साथ रही इस यात्रा ने लोगों का ध्यान पंजाब में शांति स्थापित करने के लिए आकर्षित किया!

25 जनवरी, 1990 में भाजपा के दिग्गज नेता, लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा की! इस यात्रा का उद्देश्य बाबरी मस्जिद/ राम मंदिर विवाद को हल करने के लिए था! क्योंकि बाबरी मस्जिद श्री रामचंद्र की जन्मभूमि स्थान पर स्थापित मंदिर के ऊपर बनी मस्जिद थी, और हिंदू धर्म की आस्था के मुताबिक इसी स्थान पर फिर मंदिर बनाने के उद्देश्य को लेकर श्री आडवाणी ने यह यात्रा की! बाद में कुछ कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया और सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद वाले स्थान पर ही राम मंदिर बनाने की अनुमति दे दी! अगर लालकृष्ण आडवाणी रथ यात्रा नहीं निकालते तो शायद बाबरी मस्जिद/ राम मंदिर का मामला अनसुलझा ही रह जाता! यात्राओं का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करने के लिए भी होता रहा है! 2017 में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, दिग्विजय सिंह ने नर्मदा किनारे से 3300 किलोमीटर यात्रा की! परिणाम स्वरूप 2018 में मध्यप्रदेश में कमलनाथ की कांग्रेस सरकार ने सत्ता सिंहासन पर कब्जा किया! वो बात अलग है कि बाद में भाजपा ने कुछ कांग्रेस विधायकों को तोड़कर भाजपा की सरकार बना ली! यह सर्वविदित है कि 2014 के बाद देश में भाजपा के नरेंद्र मोदी का जादू सर चढ़कर बोल रहा है! 2014 तथा 2019 में केंद्र में भाजपा की सरकार ही उनके नेतृत्व में नहीं बनी बल्कि बहुत सारे राज्यों में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनी है! इस बीच देश में बहुत सारे परिवर्तन हुए हैं, जिनमें नोटबंदी, जीएसटी, सरकारी उपक्रमों को निजी क्षेत्र को बेचना, आसमान छूती महंगाई, गरीबी, बेकारी, भ्रष्टाचार, अडानी तथा अंबानी जैसे कॉर्पोरेट ओं का देश की अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करना आदि बातें लोगों को परेशान कर रही हैं! विरोधी दल के नेताओं को लक्षित करके उनके खिलाफ सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है! विपक्ष को ज्वलंत सार्वजनिक दिलचस्पी के मामलों को सदन में उठाने की अनुमति नहीं दी जाती, देश में संप्रदायिक असंतोष साफ दिखाई दे रहा है, लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया सरकार की बोली बोल रहा है, बातों को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 7 सितंबर से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 3500 किलोमीटर की पैदल यात्रा जिसे....... भारत जोड़ो यात्रा... का नाम दिया जा रहा है शुरू की है! यह यात्रा 12 राज्यों तथा 5 केंद्र शासित प्रदेशों में से गुजरेगी! इस यात्रा में राहुल गांधी आम लोगों से संपर्क साधते हैं, की समस्याएं सुनते हैं तथा देश में एकता, अखंडता तथा भाईचारा बनाने की बात करते हैं, देश में लोगों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनके लिए सरकार की आलोचना करते हैं! बेशक इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस की डूबती नैया को 2024 के संसदीय चुनावों में उभारने का है लेकिन इस यात्रा ने भाजपा में खलबली तो पैदा कर दी है! सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं, भाजपा ने भी आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कर्नाटक तथा राजस्थान में जनाक्रोश यात्रा शुरू कर दी है! केंद्रीय गृहमंत्री, अमित शाह आगामी 9 राज्यों की विधानसभा चुनावों तथा 2024 के संसदीय चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए यात्रा आरंभ करने वाले हैं! इन सब की देखा देखी भाजपा अध्यक्ष, जेपी नड्डा तथा बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार भी बिहार के विभिन्न जिलों की यात्रा करके इस बात का पता लगाएंगे कि क्या वहां उतना विकास हुआ है जितना कि सरकार चाहती थी! क्योंकि जब यात्राएं शुरू हो ही गई हैं तो इस बात की संभावना ज्यादा है कि सुश्री मायावती, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव आदि आदि राजनेता भी यात्राएं शुरू कर दें! अगर इन यात्राओं में विपक्षी दलों को नरेंद्र मोदी के खिलाफ संसदीय चुनावों में कोई सफलता मिलती है तो ठीक है नहीं तो ये यात्राएं इनके लिए अंतिम यात्राएं भी साबित हो सकती हैं!

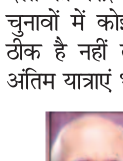

प्रोफेसर शाम लाल
कौशल
रोहतक
हरियाणा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

तातापानी महोत्सव में सीएम भूपेश बघेल होंगे शामिल

कार्यक्रम से पूर्व आईजी ने बलरामपुर जिले का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जिला बलरामपुर आगमन के दृष्टिगत एवं तातापानी महोत्सव में उमडने वाली जनसैलाब के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा राम गोपाल गर्ग ने बलरामपुर का दौरान किया। इस दौरन विधायक वृहस्पत सिंह, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर मोहित गर्ग तथा कलेक्टर बलरामपुर विजय दयाराम के साथ तातापानी मेला पहुंचकर मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया। आईजी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ज्ञात हो की तातापानी महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्य झारखंड से भी अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुवों का आना जाना होता है। बलरामपुर पुलिस द्वारा पूरे तातापानी मेले की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने हेतु भारी संख्या में फोर्स की तैनाती की जा रही है, मेले में पुलिस द्वारा एक स्थाई कंट्रोल रूम एवं 2 पुलिस सहायता केंद्र खोले जाने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल तातापानी महोत्सव 2023 दो वर्षो के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। दो वर्षों तक लगातार वैश्विक महामारी कोरोना के चलते तातापानी महोत्सव का आयोजन नही किया गया था। वहीं इस वर्ष तातापानी महोत्सव 2023 की तैयारियां जिला प्रशासन द्वारा वृहद पैमाने पर की जा रही है। इसके साथ ही तातापानी महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने मेहमान कलाकर भी तातापानी में आमंत्रित किये गये है, इसके अलावा जिले के विकास पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा स्टालों के माध्यम से प्रदर्शनी लगायी जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित तातापानी प्राकृतिक रूप से निकलते गरम पानी के लिए प्रदेशभर में प्रसिद्ध है। यहां के कुण्डों व झरनों में धरातल से बारह माह गरम पानी प्रवाह करता रहता है, ऐसी मान्यता है कि कि यहां गरम पानी से स्नान करने से सभी चर्म रोग खत्म हो जाते हैं। जिला बलरामपुर अंतर्गत मकर संक्रांति पर्व के दौरान तातापानी महोत्सव की अद्भूत छटा देखने को मिलती है। तातापानी महोत्सव को लेकर पूरे नगर का माहौल भक्तिमय हो जाता है। तीन दिनों तक तातापानी मेले की धूम देखने को मिलती है। तातापानी महोत्सव 2023 में काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आने संभावना है।

आईजी ने पस्ता थाने का किया निरीक्षण

आईजी सोमवार को जिला बलरामपुर दौरे के दौरान थाना पास्ता का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आईजी द्वारा थाना के रख रखाव, कैंपस की साफ-सफाई, एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना पस्ता प्रभारी द्वारा कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा निर्धारित कर कमियों को पूर्ण करने निर्देशित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा थाना प्रभारी पस्ता उपनिरीक्षक राजकुमार कश्यप को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

बनारस रोड की सड़क फटने और उखड़ने लगी

8 से 10 बार किया जा चुका है पैचिंग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

सड़क की घटिया निर्माण को लेकर आजाद सेवा संघ ने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में सौंपा गए ज्ञापन में कहा है कि अम्बिकापुर शहर के कुछ मुख्य मार्गों के सड़क का मरम्मत किया गया है पर सड़क का मरम्मत एक बार किया जाता है पर कुछ ही महीनों में सड़क में पैचिंग और मरम्मत का काम अनेकों बार किया जा चुका है पर उसके बाद भी शहर की सड़कों में कोई भी गुणवत्ता नहीं है क्योंकि शहर के मुख्य मार्ग बनारस रोड में करीब 8 से 10 बार पैचिंग का काम हुआ है उसके बावजूद वहां की सड़कें फटने लगी और उखाड़ना शुरू हो गया है लापरवाही छुपाने के लिए जहां सड़क फटी है वहां पर मिट्टी भर दिया जा रहा है,इससे यह पता चलता है कि सड़कों के कामों में कितनी लापरवाही और कोई भी गुणवत्ता नहीं है और शहर के ऐसे बहुत से मार्ग है जहां पर मरम्मत हुई पर सड़कें उखड़ना शुरू हो गई है। आज़ाद सेवा संघ सरगुजा ने कहा चेतावनी देते हुए कहा कि कि जो शहर की सड़कों में गुणवत्ता की कमी हुई है उस पर 7 दिवस के अंतराल में जांच किया जाए और उजित कार्यवाही किया जाए अन्यथा संगठन के द्वारा उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपते समय उपस्थित छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता,हर्ष गुप्ता,रिषभ अग्रवाल,रवि गुप्ता, शुभम, सोनू, अंकित, नीतीश शुभम अवनीश आनंद शुभम पटेल आदि उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर किया जाएगा युवा प्रतिभाओं का सम्मान

अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

युवा प्रेरणा के आधार स्तम्भ स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को युवा दिवस पर सेवा दिल से एक अभियान राराविउनिलिमि तथा ग्राम उद्यमी के संयुक्त तत्वावधान में सरगुजा अंचल की युवा प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम सरगुजा के होनहार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष दास ने बताया कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के न केवल प्रेरणा पुंज हैं बल्कि युवा चेतना, युवा ऊर्जा व युवा बुद्धि के प्रतीक भी हैं। उनका जन्मदिन युवा प्रतिभाओं के सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

हमारी संस्था सेवा दिल से एक अभियान ने 12 जनवरी को सरगुजा के होनहार कार्यक्रम का आयोजन शासकीय पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर के ऑडिटोरियम में दोपहर 2 बजे से आयोजित किया है, जिसमें सरगुजा अंचल से प्रशासनिक सेवा, सैन्य सेवा, सामाजिक सेवा, शिक्षा, खेल, कला, साहित्य सहित विविध क्षेत्रों में नाम रौशन करने वाले युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल, कॉलेज व संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जाएगी साथ ही सरगुजा अंचल के लोकप्रिय गायक संजय सुरीला, बॉलीवुड सिंगर स्वप्निल जायसवाल, संगीतकार सौरभ-वैभव, सिंगर व फ़िल्मकार गोपाल पाण्डेय, गायिका स्तुति जायसवाल, प्रियांशु मिश्रा, शताक्षी वर्मा, हिमांगी त्रिपाठी, दीपांजलि सोनी, तथा राहुल मण्डल सहित बाबा बघेल व फैशन डांस स्टूडियो की विशेष प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार श्रीमती रेणुका सिंह, स्वास्थ मंत्री टी एस सिंह देव, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, सहित जनप्रतिनिधिगण आमंत्रित अतिथि होंगे। आयोजन समिति ने आम जनता से कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की है।

आईस फैक्ट्री में चोरी के मामले में एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर आईस फैक्ट्री में घुसकर 6 जनवारी की रात अज्ञात चोरों ने पुरानी टीवी, 2 हजार रुपए नकदी चोरी कर लिया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर लखनपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी धमेन्द्र यादव साकिन अम्बिकापुर का थाना लखनपुर उपस्थित आकर लिखीत रिपोर्ट दर्ज कराया कि 6 जनवरी को मध्य रात्रि किसी अज्ञात चोर के द्वारा आइस फैक्ट्री के अंदर घुसकर रूम में रखा पुराना इस्तेमाली टीव्ही एवं नगदी 2000 रुपये चोरी कर लिया है, प्रार्थी कि रिपोर्ट पर सदर धारा 457,380 अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। थाना प्रभारी लखनपुर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा अज्ञात आरोपी का पत्तासाजी किया जा रहा था जो पुलिस टीम द्वारा मामले के संदेही इस्लामुल हक् साकिन बंधा लखनपुर को पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा आइस फैक्ट्री के अंदर घुसकर एल.ई.डी. टीवी एवं रूम मे रखा 2000 रूपय नगद चोरी करना स्वीकार किया, नगद रकम को खाने पिने मे खर्च होना बताया एवं चोरी किये गए टीवी को आरोपी के निशानदेही पर बरामद किया गया, आरोपी द्वारा चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किये जाने पर अपराध सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन, सहायक उप निरीक्षक अरुण गुप्ता, प्र. आर. विजय मरावी, आर. देवेंद्र सिंह, दशरथ राजवाड़े, राजेंद्र प्रसाद, जानकी राजवाड़े, राकेश यादव, लुकन साय शामिल रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल पिता की मौत, पुत्र गंभीर

अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के विशुनपुर के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर गिरने से पिता-पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जगनारायण सिंह उम्र 52 वर्ष सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गोविन्दपुर का रहने वाला था। वह 7 जनवरी को अपने बेटे जगदेव सिंह के साथ स्कूटी से बिशुनपुर अपने बेटी के घर जाने निकला था। रास्ते में बिशुनपुर के पास स्कूटी अनियंत्रि हो जाने से पिता-पुत्र दोनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए सूरजपुर अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जबकि बेटे का इलाज चल रहा है।

पड़ोसी के यहां खेलने गए बालक की घर के पीछे डबरी में गिरने से मौत

अंबिकापुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

पड़ोसी के यहां खेलने गया बालक घर के पीछे पानी भरे गड्ढे में गिर गया। काफी देर तक पानी में रहने से वह अचेत हो गया। जानकारी मिलने पर परिजन ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कृष्णा सिंह शहर के महामायापारा का रहने वाला है। वह हल्वाई का काम करता है। वह रविवार को काम करने गया था। शाम को वापस घर लौटा तो उसका 8 वर्षीय बेटा नहीं दिखाई दिया। पत्नी से बच्चे के बारे में पूछने पर वह बताई की पड़ोसी अमृत विश्वकर्मा के घर खेलने गया है। काफी देर बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा तो पति-पत्नी उसे खोजने निकले। पड़ोसी के घर के पीछे गए तो समरसिब्बल पंप चलाने के लिए बनाए गए डबरी के पास बच्चे का चप्पल दिखा। लोगों ने जाकर देखा तो डबरी के पानी में बच्चा डूबा था। परिजन उसे बाहर निकाले और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुआ संपन्न

84.30% प्रतिशत हुआ मतदान

- » दोनों ही पार्टी अपने उम्मीदवारों की जीत का कर रहे दावा
- » उप चुनाव संपन्न होते ही कांग्रेस भाजपा आमने-सामने आरोप-प्रत्यारोप का दौर हुआ शुरू
- » पार्षद पद हेतु भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर

- संवाददाता -
लखनपुर , 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 14 में 9 जनवरी दिन सोमवार को पार्षद पद हेतु होने वाले उपचुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान दलों के द्वारा शांतिपूर्ण ढंग संपन्न कराया गया हुआ। वार्ड क्रमांक 14 के 363 मतदाताओं में से 306 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए वोट डालें। सुबह 8:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक 84.30त्न मतदान हुआ। लखनपुर नायब तहसीलदार ऐसी यादव प्रशिक्षु डीएसपी डॉ प्रशांत देवांगन कांग्रेस उम्मीदवार शिल्पा जायसवाल भाजपा उम्मीदवार श्रीमती आशा जयसवाल के समक्ष मतदान दल के द्वारा ईवीएम मशीन को किया गया तो वही कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान दल के द्वारा सुरक्षित तरीके से ईवीएम मशीन को स्ट्रांग रूम तक पहुंचाया गया। वही दोनों दलों के उम्मीदवारों ने जीत का दावा किया है।पार्षद पद हेतु होने वाले उपचुनाव को लेकर दोनों ही पार्टी के प्रत्याशी जीत का दावा कर रहे हैं।दोनों ही पार्टी के उम्मीदवारों ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराए जाने की बात कही है।

कांग्रेस उम्मीदवार शिल्पा जायसवाल

कांग्रेस पार्टी की ओर से दिवंगत पार्षद स्वर्गीय मंजू जयसवाल की पुत्री शिल्पा जयसवाल इस बार चुनावी मैदान में है और उनका कहना है कि पार्षद पद का चुनाव जीतकर अपने मां के अधूरे सपने को पूरा करना है। और वार्ड वासियों की समस्याओं का निराकरण करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि वार्ड वासियों के कहने पर ही पार्षद पद के लिए इस वार्ड से खड़ी हुई हूं और उनका पूरा सपोर्ट है।

भाजपा उम्मीदवार श्रीमती आशा जयसवाल

जेसीसी जे से वार्ड क्रमांक 14 में पार्षद पद के लिए चुनाव हार चुकी आशा जयसवाल इस बार उपचुनाव में पार्षद पद हेतु भाजपा पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रही है। उपचुनाव में उन्हें वार्ड वासियों का भरपूर समर्थन भी मिल रहा है। साथ ही चुनाव जीतने का दावा भी कर रही हैं।और चुनाव जीते ही वार्ड में विकास को गति देने की बात भी कही है। दोनों ही पार्टी के उम्मीदवारों ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराए जाने की बात कही है।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व भाजपा नेता राजेश अग्रवाल

लखनपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व भाजपा नेता राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन के द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराया गया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भुइयां जाति को आदिवासी में शामिल किया। और यह वार्ड आदिवासी बाहुल्य वार्ड है और केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी इन सभी वार्ड वासियों को मिल रहा है। और इसका लाभ हमारे पार्टी के उम्मीदवार को मिलेगा और हमें पूरा यकीन है कि हम इस वार्ड से चुनाव जीत रहे हैं।

युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह देव

युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह देव ने कहां की वार्ड क्रमांक 14 में पार्षद पद हेतु उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है। और हमारे दिवंगत पार्षद के द्वारा इस वार्ड में विकास के कार्य किए गए हैं। कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार इस बात से चुनाव जीत रही है।

उप चुनाव संपन्न होते ही कांग्रेस भाजपा आमने-सामने आरोप-प्रत्यारोप का दौर हुआ शुरू

भाजपा सहकारिता जिला संयोजक सरगुजा दिनेश गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्रीय विधायक कैबिनेट मंत्री टी एस सिंहदेव ने गरीबों को पट्टा दिलाए जाने का आश्वासन देते हुए इसी वार्ड से पार्षद चुनाव में जीत हासिल की थी। जो की झूठा साबित हुआ। इस वार्ड में कांग्रेस पार्षद द्वारा किसी भी प्रकार का विकास कार्य नहीं किया गया है। वार्ड में जो भी विकास कार्य हुए हैं नगर अध्यक्ष के द्वारा किया गया है। वार्ड क्रमांक 14 के वार्ड वासियों को केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है।

वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत नेता प्रतिपक्ष रमेश जायसवाल ने इन आरोपों को दरकिनार करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री टी एस सिंहदेव ने एसडीएम और तहसीलदार को पट्टा बनाए जाने को लेकर निर्देशित किया गया था। पट्टा बनाए जाने को लेकर सर्वे कराकर पंचनामा की प्रक्रिया शुरू की गई थी परंतु भाजपाइयों के द्वारा को डरा धमका कर कार्य को रोक दिया गया। वार्ड पार्षद और कांग्रेसियों के द्वारा पुनः सभी का सूची तैयार कर मुख्यमंत्री जी को सौंपा गया था सरगुजा कलेक्टर के पास वह पत्र आ चुका है और सभी लोगों को पट्टा बनाए जाने का कार्य आने वाले समय में किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं ने अपनी मांगो के समर्थन में निकली रैली

- संवाददाता -
सूरजपुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

सोमवार को एक बार फिर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला अध्यक्ष पुष्पा सरजाल के नेतृत्व में रैली निकाल कर जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन मेंआंगनबाडी कार्यकर्ता सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करने, सरकार द्वारा अपने जन घोषणा पत्र में घोषित नर्सरी शिक्षक उन्नयन और कलेक्टर दर पर वेतन तत्काल देने। आंगनबाड़ी सहायिकाओं को कार्यकर्ता के रिक्त पद पर शत प्रतिशत कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर पद पर शतप्रतिशत पदोन्नति देने विभागीय सेवा भर्ती नियम में संशोधन करने, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को प्राइमरी स्कूलों में प्रायमरी शिक्षक का दर्जा एवं वेतन देने,मिनी आंगनबाडी कार्यकर्ताओं आगंनबाडी कार्यकर्ता के बराबर काम का समान वेतन देने,आंगनबाडी कार्यकताओं को 5 लाख रूपये एवं सहायिकाओं को लाख रूपये रिटायरमेंट के बाद एक मुश्त राशि देने,पेंशन, ग्रेच्यूटी व समूह बीमा योजना लागू करने,प्रदेश स्तर में आगंनबाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों को तत्काल भरने और पोषण ट्रेक और अन्य कार्य के लिये तक मोबाईल, नेट चार्ज नही दिया जाता तब तक मोबाईल पर काम करने का दबाव न दिए जाने की मांग की गई है। मांग पूरी न होने पर दिनांक 23.01.2023 से 27.01.2023 तक 5 दिन का रायपुर राजधानी मुख्याल में प्रांतीय महापडाव के बाद भी मांग पुरा नही होने पर 2 फरवरी से अनिश्चित कालीन हड़ताल में जाने की बात कही गई है।

सड़क की मांग को लेकर मतदान का ग्रामीणों ने किया विरोध

सत्ताधारी दल के नेता का भाजपा पर आरोप

» एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को दी समझाइश,सड़क बनने की सहमती पर ग्रामीणों ने किया मतदान

» सड़क को लेकर सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता ने लिखा भाजपा 15 सालों में नहीं बना सकी सड़क

» चार सालों में जब कांग्रेस की है सरकार क्यों नहीं बन सकी सड़क,यह सत्ताधारी दल से है सवाल ?

» सड़क को लेकर जहां ग्रामीणों ने मतदान का किया था विरोध वहां भाजपा प्रत्याशी को मिली बढ़त

» कांग्रेस के लोग जहां बहिष्कार को लेकर मुद्दा बना रहे थे, मतों में पिछड़े और बोलती हुई बंद

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 9 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 के सदस्य चुनाव के लिए हो रहे मतदान के दौरान क्षेत्र क्रमांक 6 के ही ग्राम उरूमदुगा के आश्रित ग्राम दूधनियाकला में उस समय मतदान कराने पहुंचे मतदान दल के अधिकारी एवम कर्मचारियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा जब अधिकांश ग्रामीणों ने मतदान के बहिष्कार का ऐलान कर दिया और मतदान करने का इरादा छोड़ दिया। ग्रामीणों ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि गांव में सड़क की समस्या थी और वह सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे।

मतदान दल एवम जोनल अधिकारी एवम सेक्टर अधिकारी की बात से भी जब ग्रामीण नहीं माने और उन्होंने मतदान नहीं करने के अपने निर्णय पर अडिग रहने का निर्णय सभी के सामने रखा तब वहां बैकुंठपुर की एसडीएम अंकिता सोम को जाना पड़ा और उन्होंने ग्रामीणों को मतदान का महत्व समझाते हुए समझाइश दी। एसडीएम की समझाइश का भी ग्रामीणों पर असर नहीं पड़ा और वह सड़क निर्माण की मांग पर अड़े रहे। ग्रामीणों में से कुछ ने तो मतदान किया इस दौरान लेकिन अधिकांश लोग मतदान नहीं करने के फैसले पर अड़े रहे तब एसडीएम बैकुंठपुर ने तत्काल पीडब्ल्यूडी की टीम को बुलाया और सड़क के लिए सर्वे कराकर ग्रामीणों को आश्वस्त किया और तब जाकर ग्रामीणों ने मतदान किया और चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान एसडीएम बैकुंठपुर को ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर बात करते और उन्हें समझाइश करते भी देखा गया।

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर सड़क निर्माण नहीं कराने भाजपा पर आरोप लगाया

पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता ने सड़क निर्माण नहीं होने का ठीकरा भाजपा नेता पर फोड़ा और उन्होंने भाजपा के 15 सालो के कार्यकाल पर प्रश्नचिन्ह लगाया। कांग्रेस नेता ने भाजपा के पूर्व बैकुंठपुर विधायक एवम पूर्व मंत्री से यह पूछने ग्रामीणों को कहा की उनकी सरकार थी तब क्यों उन्होंने सड़क नहीं बनवाई और जबकि वह स्वय समाचार पत्रों साथ ही मंचो से ग्राम की सड़क की मांग करते रहे। कांग्रेस नेता का सीधा आरोप भाजपा के कार्यकाल पर था और पूर्व मंत्री से ही उनका प्रश्न था। कांग्रेस नेता ने क्षेत्र के तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य पर भी प्रश्न उठाया और कहा की उस समय भाजपा का ही जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र से निर्वाचित था और उसने भी सड़क को लेकर ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस नेता ने बहिष्कार को अराजक तत्वों का प्रायोजित विरोध बताया

ग्रामीणों के विरोध को कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर अराजक एवम असामाजिक तत्वों का प्रायोजित विरोध निरूपित किया। कांग्रेस नेता के अनुसार विरोध ग्रामीण नहीं कर रहें हैं विरोध असामाजिक लोग कर रहें हैं और यह प्रायोजित है। कांग्रेस नेता के इस बयान के अनुसार यदि देखा जाए तो ग्राम में सड़क के लिए जो भी विरोध करने सामने आए सभी असामाजिक लोग थे और विरोध प्रायोजित था।

कांग्रेस सत्ता के चार सालों में क्यों नहीं बनी सड़क यह कांग्रेस नेता से है सवाल

पूरे मामले में कांग्रेस नेता ने सड़क निर्माण नहीं होने को लेकर पूरा ठीकरा भाजपा के 15 सालो के कार्यकाल पर फोड़ दिया। वैसे सवाल उनसे भी पूछा जायेगा की यदि 15 सालो में भाजपा ने सड़क को लेकर ध्यान नहीं दिया तो 4 सालों के कांग्रेस सत्ता के कार्यकाल में सड़क क्यों नहीं बनी,वहीं उनकी ही सरकार और उनकी ही व्यवस्था में उस गांव में अराजक लोग कैसे विरोध में सफल हो गए जिनके सामने प्रशासन के अधिकारी भी नतमस्तक होने मजबूर हो गए और मांगे माननी पड़ी।

भाजपा को गांव से मिली बड़ी बढ़त

जिस गांव में सड़क को लेकर ग्रामीण विरोध कर रहे थे और मतदान का बहिष्कार कर रहे थे वहीं जिस विरोध को कांग्रेस नेता असामाजिक तत्वों का प्रायोजित विरोध बता रहे थे और ग्रामीणों से सड़क को लेकर भाजपा से प्रश्न पूछने को कह रहे थे उस ग्राम की मतगणना में भाजपा समर्थित उम्मीदवार को बडी बढ़त मिली है और यह साबित करता है की ग्रामीणों का विरोध वर्तमान सरकार के क्रियाकलापों से था और उन्होंने मतदान कर जवाब दे दिया।

बैकुंठपुर विधायक की बातों पर भी ग्रामीणों ने नहीं किया एतबार,किया भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मतदान

उरूमदूगा दूधनियाकला के ग्रामीणों का विरोध जो सड़क की मांग को लेकर था की सूचना पर बैकुंठपुर विधायक एवम छत्तीसगढ़ शासन में संसदीय सचिव भी मौके पर पहुंची,उन्होंने ग्रामीणों को समझाया और पूर्व की भाजपा सरकार को इसके लिए दोषी कहकर जिम्मेदार ठहराया,संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया की सड़क का भूमिपूजन भी जल्द ही होगा और जल्द ही सड़क भी बनेगी। संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक की समझाइश का ग्रामीणों पर विपरीत असर पड़ा यह भी मतगणना के बाद स्पष्ट हुआ। मतगणना उपरांत जहां भाजपा समर्थित प्रत्याशी को 200 मत प्राप्त हुए वहीं कुल पड़े मतों की संख्या 272 रही। अब इसी से समझा जा सकता है की ग्रामीणों ने सत्ताधारी दल के आरोपों को पूर्वर्ती सरकार पर लगाए गए कैसे खारिज किया और उन्होंने कैसे साबित किया को हो सत्ता में वर्तमान में है वह पुरानी सरकार पर आरोप लगाकर नहीं बच सकता।

गुटबाजी के बीच युवक कांग्रेस की यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो पोस्टर का विमोचन

» प्रभारी बोलीं...आपसी मतभेद भूल विपक्षी दलों के ख़िलाफ़ लगाए ऊर्जा

- संवाददाता -
सूरजपुर, 09 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

रविवार को युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक में पहुंची राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह प्रभारी प्रियंका सारसर ने निर्वाचित पदाधिकारियों की जानकारी ली एवं उपस्थित ना हो सके पदाधिकारियों का कारण पूछा उचित जवाब ना मिलने पर उन्होंने कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा।इसके बाद उन्होंने यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही 2023 विधानसभा चुनाव में युवाओं की भागदारी में चर्चा कर कार्यकारिणी विस्तार, युथ जोड़ो बूथ जोड़ो , महिलाओं की सहभागिता और संगठन के अनुशासन को लेकर भी चर्चा की उन्होंने कहा कि आपसी सभी मतभेद को भूल कर पूरी ऊर्जा विपक्षियों के खिलाफ लगाने की जरूरत है। आगामी चुनाव को मद्देनजर सारे बिंदुओ पर गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए एवं संगठन के समस्त पदाधिकारियों को समस्या के लिए सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव एवं जिला प्रभारी सुश्री प्रीतिका विश्वकर्मा से बात करने को कहा समाधान ना होने पर जानकारी संभाग प्रभारी आशीष मोनू अवस्थी एवं खुद को साझा करने की बात कही।साथ में आए, प्रदेश उपाध्यक्ष व सरगुजा जोन प्रभारी आशीष मोनू अवस्थी ने अपने उद्बोधन में बताया कि कांग्रेस की सबसे मजबूत कड़ी युवक कांग्रेस है मैंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत एनएसयूआई से की थी और आज प्रदेश उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ सरगुजा ज़ोन का प्रभारी भी हूं। मैं केवल आज के लिए आया हूं मैं चाहता हूं कि कोई भी समस्या अगर आप लोगों में हैं तो वह आज ही मुझसे बात करें क्योंकि आज साथ में प्रभारी मैडम भी हैं जो भी समस्या होगी हम बिलासपुर रायपुर और दिल्ली में बैठकर उस समस्या का समाधान नहीं कर सकते उस समस्या का समाधान यहीं पर करना होगा तो अगर आप लोगों के बीच में कोई भी समस्या है तो वह आज ही बताएं क्योंकि समाधान यहीं पर होना है इसके बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि निरंतर अंतराल में मैं आप सबके बीच आता रहूंगा ,साथ में जोन सहप्रभारी राकेश पाण्डे उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के द्वारा हम सभी लोगों को एक जिम्मेदारी दी गई है जिसका पालन के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा उन्होंने बताया कि आकाश शर्मा के द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार पूरे प्रदेश के युवक कांग्रेसियों ने पूरे 90 विधानसभा में भारत जोड़ो यात्रा 100 किलोमीटर की पूरी की यह युवक कांग्रेस की बहुत बड़ी उपलब्धि थी उनके द्वारा दिए जाने वाले निर्देश को हम पालन करने का पूरा प्रयास करेंगे और आप लोगों के द्वारा कोई भी समस्या उत्पन्न होती है तो आप सीधे मुझसे बात कर सकते हैं। यह युवक कांग्रेस के लिए गर्व की बात है जिससे युवक कांग्रेस अपनी पकड़ गांव स्तर तक मजबूत कर पाएगा उन्होंने अपनी बात समाप्त करने से पहले बोला कि जनपद उपाध्यक्ष में नरेंद्र यादव के रूप में युवक कांग्रेसी साथी भाई का होना और भटगांव नगर पंचायत में सूरज गुप्ता जैसे युवक कांग्रेसी साथी भाई का अध्यक्ष के रूप में होना भी गर्व की बात है साथ में आयी जिला प्रभारी सुश्री प्रीतिका विश्वकर्मा पूरे टाइम कार्यक्रम के संचालन को गंभीरता से देखती एवं समझती रही। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम का संचालन युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने करते हुए यह भी बताया कि आने वाले समय में मैं पूरी टीम को एकजुट करने का पूरा प्रयास करूंगा किसी को कोई समस्या नहीं हो और किसी को कोई समस्या हो तो वह बिना संकोच के मेरे से बात करने में असहजता महसूस ना करें। कार्यक्रम में स्वागत जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष अविनाश यादव ने किया।कार्यक्रम को सफल बनाने युवक कांग्रेस से नवनिर्वाचित पदाधिकारी परमेश्वर राजवाड़े विक्की समझदार लालजी राजवाड़े शांतनु सिंह जितेंद्र साहू उपस्थित रहे।

ये क्या शहर से अचानक होर्डिंग गायब.....!

युवक कांग्रेस द्वारा शहर में होर्डिंग लगाया गया था लेकिन रातोरात अचानक सभी होर्डिंग गायब हो गए।बताया जाता है कि इस होर्डिंग में युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की फ़ोटो गायब थी। जिसे गुटबाजी से जोड़ कर देखा गया यही नही कार्यकर्ताओं ने अलग अलग गुटों में स्वागत किया । पैलेस खेमा अलग स्वागत किया वहीं दूसरी खेमा ने भी सर्किट हाउस में स्वागत कर ताकत दिखाई।

नप प्रेमनगर में उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से 82.54 प्रतिशत हुआ मतदान

» महुली वार्ड 11में रामधन साय 46 मत पाकर बने पंच

सूरजपुर, 09 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इफ्फत आरा के निर्देशानुसार रिटर्निंग आफिसर करमचन्द जाटवर, एसडीएम उत्तम रजक एसडीओपी प्रकाश सोनी एवं की उपस्थिति में सुरक्षा एवं चाक चौबंद के साथ नगर पंचायत प्रेमनगर उपचुनाव वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद पद के लिए मतदान कार्य स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदाताओं की संख्या 275 जिसमें 106 पुरूष एवं 121 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह 82.54 प्रतिशत मतदान हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन द्वारा कार्यक्रम अनुसार 12 जनवरी को मतगणना होगी। क्यासो सोरी पति कृपाशंकर सोरी उम्र 62 वर्ष की बुजुर्ग महिला ने भी मतदान किया गया उक्त महिला दिव्यांग है। चुनाव दल द्वारा दिव्यांग मतदाताओं को व्हील चेयर में बैठा कर मतदान के लिए भेजा गया।इसी तरह विकासखण्ड ओड़गी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत महुली वार्ड 11 में पंच पद के लिए कुल मतदाताओं की संख्या 77 रही। जिसमें से 66 मतदाताओं ने मतदान किया। इस तरह कुल 85.71 प्रतिशत मतदान हुआ। पंच उम्मीदवार रामधन साय ने 46 मत पाकर विजय प्राप्त की एवं मदन लाल खैरवार को 17 मत मिले वहीं 3 वोट नोटा में गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता ने सोनहत से तोड़ा नाता, बैकुंठपुर से जोड़ा नया नाता,किया मतदान

» उप चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के लिए पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र तिवारी ने ओडगी मतदान केंद्र में किया मतदान

» मतदान पश्चात पूर्व जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता देवेंद्र तिवारी ने कहा भाजपा समर्थित उम्मीदवार की होगी प्रचंड मतों से जीत

» बैकुंठपुर विधानसभा से कर सकते हैं दावेदारी,देवेंद्र तिवारी को लेकर लगते रहे हैं कयास

» कयासों पर लगा विराम,विधानसभा चुनाव में भाजपा से करेंगे देवेंद्र तिवारी दावेदारी तय हुआ

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 9 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवम भाजपा नेता देवेंद्र तिवारी ने कोरिया जिले की जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 सदस्य के लिए हो रहे उप चुनाव में मतदान किया और उन्होंने भाजपा समर्थित प्रत्याशी के जीत का दावा किया और प्रचंड जीत का दावा किया ऐसा उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखकर इजहार किया। देवेंद्र तिवारी पूर्व में सोनहत से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित रह चुके हैं और वह जन्म से सोनहत के ही निवासी थे और वहीं से उनका राजनीतिक जीवन भी आरंभ हुआ था।देवेंद्र तिवारी ने बैकुंठपुर विधानसभा में अपना नाम क्यों शामिल कराया या क्यों उन्होंने बैकुंठपुर में अपना निवास स्थापित किया इसको लेकर बहोत पहले से कयास लगाए जा रहे थे की उनकी मंशा कहीं न कहीं बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी बतौर चुनाव लडने की है और वह भविष्य में भाजपा से विधानसभा में टिकट की दावेदारी बैकुंठपुर विधानसभा से कर सकते हैं और चुनाव वह लड़ सकते हैं।

देवेंद्र तिवारी के बैकुंठपुर से भाजपा प्रत्याशी के रूप में भाजपा से उम्मीदवार होने को लेकर उठे पहले के सवालों का जवाब इसलिए नहीं मिल पाता था क्योंकि उनका नाम बैकुंठपुर विधानसभा में मतदाता स्वरूप दर्ज हुआ की नहीं हुआ इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाती थी। वैसे तो विधानसभा चुनाव लडने के लिए विधानसभा क्षेत्र का मतदाता होना आवश्यक नहीं है फिर भी आज के राजनीतिक परिवेश में किसी भी अन्य स्थान से अन्य स्थान पर जाकर चुनाव लडने वाले को बाहरी कहकर उसकी उम्मीदवारी पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं वहां के स्थानीय लोग इसलिए यह जानते हुए देवेंद्र तिवारी ने न केवल अपना नाम बैकुंठपुर विधानसभा में दर्ज कराया मतदाता स्वरूप वहीं उसके पूर्व उन्होंने अपना घर भी विधानसभा क्षेत्र में बनावा लिया और पूर्ण रूप से खुद को बैकुंठपुर का निवासी बना लिया। देवेंद्र तिवारी ने जिला पंचायत उप चुनाव में मतदान कर अब पूरी तरह यह स्पष्ट कर दिया की वह आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा से बैकुंठपुर विधानसभा की दावेदारी करने वाले हैं और उनकी स्थिति इसको लेकर स्पष्ट है। बैकुंठपुर से नाता जोड़कर देवेंद्र तिवारी ने सोनहत से अपना पूरा नाता तोड लिया यह भी स्पष्ट हो गया। नया रिश्ता बैकुंठपुर से जोड़कर देवेंद्र तिवारी अब विधानसभा की तैयारी करेंगे यह तय हो गया है। सोनहत विधानसभा आरक्षित होने की वजह से देवेंद्र तिवारी को सोनहत छोड़ना पड़ा यह भी पूरे मामले का एक सच है।

विधानसभा में अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं

सोनहत में रहकर देवेंद्र तिवारी कभी विधानसभा जाने की सोच नहीं सकते थे और उन्होंने बैकुंठपुर का रास्ता तय किया यही उनके बैकुंठपुर में स्थापित होने का पूरा सच है। वैसे बैकुंठपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा यदि देवेंद्र तिवारी को अपना उम्मीदवार बनाती भी है तो क्या भाजपा के बैकुंठपुर विधानसभा के लोगों का देवेंद्र तिवारी को लेकर स्वीकार्यता बनेगी यह एक बड़ा सवाल है। बैकुंठपुर में भाजपा से पूर्व विधायक पूर्व मंत्री के अलावा कई और ऐसे चेहरे हैं जो विधानसभा में अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं और यह सभी लोग जन्म से बैकुंठपुर के ही निवासी हैं और लगातार भाजपा से जुड़कर अपनी राजनीति कर रहे हैं। अब क्या जो खुद दावेदारी कर रहें हैं वह हाल फिलहाल में अन्य विधानसभा से आकर बैकुंठपुर विधानसभा में निवास कर दावेदारी का जैसा सोच रहें हैं उन्हें क्या स्वीकार करेंगे यह भी एक पहलू है। अब भविष्य में जो कुछ भी हो लेकिन देवेंद्र तिवारी ने आज मतदान कर यह साबित किया की वह बैकुंठपुर के निवासी हो चुके हैं और अब उनका सोनहत से पूरी तरह नाता टूट चुका है।

CMYK

73 वर्ष की उम्र में पुत्रवधु को दिलाई उप चुनाव में जीत,पूर्व मंत्री की जीवटता की हर तरफ हो रही तारीफ

- कोरिया जिले के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 सदस्य उप चुनाव में पूर्व मंत्री की पुत्रवधु भाजपा समर्थित प्रत्याशी की बड़ी जीत
- सत्ताधारी दल कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी रहा तीसरे स्थान पर,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने दूसरा स्थान किया हासिल
- पूर्व मंत्री ने साबित किया अभी उनमें है आगे और भी राजनीतिक संभावनाएं,अभी वह ठहरने तैयार नहीं
- पूर्व मंत्री की सेवा भावना,समर्पण व लोकप्रियता ने दिलाई प्रचंड बहुमतःदेवेन्द्र तिवारी
- 10,700 से अधिक वोट से भाजपा समर्पित प्रत्यासी आगे पूर्व मंत्री भईया लाल राजवाड़े के घर मे जश्न का माहौल।
- कांग्रेस प्रचार में भी फिसड्डी और नतीजे में भी फिसड्डी रही वजह जगजाहिर
- जिपं क्रमांक 06 से वंदना राजवाड़े की जीत लगभग तय सिर्फ औपचरिक घोषण बची
- गोंडवाना गडतंत्र पार्टी दूसरे नंबर पर काग्रेस रही तीसरे नंबर पर
- काग्रेस नही खड़े कर पाई कई जगह अपने पोलिंग एजेंटःसूत्र

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 सदस्य हेतु संपन्न हुए चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी एवम पूर्व मंत्री एवम पूर्व भाजपा विधायक बैकुंठपुर की पुत्रवधु ने एकतरफा जीत दर्ज कर ली है और वह जिला पंचायत सदस्य बतौर अपने स्वर्गीय पति के रिक्त पद पर आसीन होने जा रही हैं । वहीं उप चुनाव में जैसा की पहले से ही तय नजर आ रहा था की सत्ताधारी दल की चुनाव में प्रतिस्पर्धी होने की भूमिका ही नजर नहीं आ रही थी और वह चुनाव में

कहीं से टक्कर देने की स्थिति में नजर नहीं आ रही थी और वही हुआ भी,सत्ताधारी दल तीसरे स्थान पर जा पहुंची और दूसरे स्थान पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। जिला पंचायत कोरिया की क्षेत्र क्रमांक 6 सदस्य की सीट जिसपर की उप चुनाव हो रहा था वह सीट पूर्व मंत्री पूर्व भाजपा विधायक बैकुंठपुर के पुत्र के असामायिक मृत्यु से रिक्त हुई थी और इस सदस्य सीट पर भाजपा ने अपने उम्मीदवार के रूप में पूर्व मंत्री की पुत्रवधु को अपना समर्थन प्रत्याशी बतौर दिया था जिसमें पूर्व मंत्री की पुत्रवधु विजयी हुई ।

73 वर्ष की उम्र में पूर्व मंत्री ने अपनी पुत्रवधु के लिए किया था धुंआधार प्रचार

जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 6 में हुए उप चुनाव में पूर्व मंत्री पूर्व भाजपा बैकुंठपुर विधायक की पुत्रवधु भाजपा से समर्थन लेकर चुनावी मैदान में थीं वहीं चुनाव प्रचार की कमान स्वयं 73 वर्षीय पूर्व मंत्री एवम पूर्व भाजपा बैकुंठपुर विधायक सम्हाल रहे थे और उन्होंने 73 वर्ष की उम्र में जिस तरह दिन रात एक करते हुए अपनी पुत्रवधु को चुनाव में विजय दिलाने मेहनत किया उसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। पूर्व मंत्री ने भीषण ठंड होने के बावजूद लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क किया और उन्होंने रात और दिन एक किया तब जाकर उन्होंने अपनी पुत्रवधु के लिए बड़ी जीत सुनिश्चित की। पूर्व मंत्री इस उम्र में जिस तरह इस चुनाव का संचालन करते दिखे उससे यह साबित हो गया की उनके अंदर अभी अपार राजनीतिक संभावनाएं बची हुई हैं और वह अभी राजनीति से अलग जाकर कुछ और सोचने की जरा भी नहीं सोच रहें हैं।

कांग्रेसी कुशासन के खिलाफ जीत जननायक भैयालाल राजवाड़े की

जिला पंचायत उपचुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवार के प्रचंड मतों से हुए जीत को भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिपं सदस्य देवेन्द्र तिवारी ने ऐतिहासिक बताया है।उन्होंने कहा कि विगत लंबे समय से पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े ने आम जनता की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने साधारण जीवन जीते हुए लोगों की खुशहाली और विकास के लिए कार्य किया है। उनके समाज के प्रति समर्पण भाव के समर्थन में आम जनता उमड़कर मतदान की है। भारतीय जनता पार्टी का एक एक कार्यकर्ता आज पूरे उत्साह के साथ वंदना विजय राजवाड़े के जीत के लिए परिश्रम करता हुआ दिखा है। स्व.विजय राजवाड़े के लिए यह सच्ची श्रद्धांजलि है। इस चुनाव परिणाम ने यह साबित कर दिया कि आम जन पूर्व मंत्री श्री राजवाड़े की कमी को महसूस कर रहे है। वर्तमान विधायक की जनता से बनी दूरी और कांग्रेस द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार, अनियमितता तथा निरंकुशता के खिलाफ जनता एकजुट है।आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इसका गंभीर परिणाम भुगतना होगा। पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े और जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त की गई जीत के लिए समस्त जनता जनार्दन का अभिनंदन है। श्री तिवारी ने विजयी उम्मीदवार श्रीमती वंदना राजवाड़े को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

जीत प्रत्याशी या पार्टी की नहीं, अपितु इस पड़ाव में भी कायम जज्बे की हुई

जिला पंचायत उपचुनाव में पूर्व के मुख्य चुनाव की तुलना में दोगुने से भी अधिक मतों से यह जीत बीजेपी समर्थक प्रत्याशी की हुई यह बात सामने आई, विधानसभा चुनाव व या कहें सत्ता के सेमीफाइनल के पूर्व इस जीत पर लोगों का मत है कि यह भारतीय जनता पार्टी या प्रत्याशी की जीत नहीं अपितु उम्र के 73 बसंत पार कर चुके छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री भइयालाल राजवाड़े के जोश, जज्बे, सक्रियता और लोकप्रियता की जीत है। उम्र के इस पड़ाव में जहां लोग सामान्यतः शिथिल हो जाते हैं, वहीं पूर्व मंत्री द्वारा किया गया डोर टू डोर कैंपेन, व्यक्तिगत प्रत्येक मतदाताओं के घर तक पहुंच, मतदाताओं से परोक्ष संवाद, बेहद ऊर्जावान व्यक्ति का काम है, जो यह इंगित करता है कि आज भइयालाल राजवाड़े उतने ही सक्रिय और ऊर्जावान हैं, जितना अपने राजनीतिक जीवन के प्रारंभिक चरण में थे। यह ऐतिहासिक जीत उनकी सकारात्मक ऊर्जा और कार्य क्षमता का परिणाम है। हालांकि पूरे चुनाव के दरमियान भारतीय जनता पार्टी का संगठन और पार्टी के कार्यकर्ता कदम से कदम मिलाकर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में कार्य कर रहे थे। जो यह इंगित करता है कि भइयालाल राजवाड़े आज भी क्षेत्र में उतने ही लोकप्रिय हैं, जितना अपने कार्यकाल के दरमियान थे क्योंकि ऐसी एकजुटता और प्रत्येक कार्यकर्ता का समर्पण किसी व्यक्ति विशेष के लिए आमतौर पर देखने को नहीं मिलता और वहां तो बिल्कुल नहीं जहां सीट की दावेदारी में एक के बाद एक कई नाम सामने आ रहे हों यह चुनावी प्रदर्शन और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एकजुटता यही इशारा करती है कि भइयालाल राजवाड़े आज भी बैकुंठपुर विधानसभा में पार्टी के सर्वमान्य नेता हैं। समाचार लिखे जाने तक आधा से ज्यादा केंद्रों के रुझान आ गए थे जिसमें बीजेपी की प्रत्याशी लगभग 10 दस हजार मतों से आगे चल रहे थे जिसे देखकर बीजेपी प्रत्याशी की जीत तय मानी जा रही है।

चुनाव बहिष्कार का जहां हुआ विरोध वहां भाजपा को मिले सर्वाधिक मत

जिला पंचायत उप चुनाव निर्वाचन में एक समय विषम स्थिति निर्मित हुई जब दुधनिया कला निवासियों ने चुनाव के बहिष्कार का ऐलान कर दिया एवं एकजुट होकर सड़क पर बैठ गये। चुनाव बहिष्कार का जो कारण सामने आया वह यह था कि गांव में पक्कि सड़क का अभाव है, जिसकी मांग ग्रामीण लगातार कर रहे थे। उनका कहना था कि पूर्व के भाजपा शासनकाल में यह सड़क स्वीकृत हुई थी, परंतु सत्ता बदलने के साथ ही सड़क की स्वीकृति ठंडे बस्ते में चली गई। इस मुद्दे पर पक्ष विपक्ष के नेता गांव वालों को समझाते रहे, आरोप-प्रत्यारोप का दौर ग्रामीणों के बीच और सोशल मीडिया पर भी चला। जहां कांग्रेस के नेता सड़क ना बनने को लेकर भाजपा पर दोषारोपण कर रहे थे। वह यह भूल गए कि विगत 4 वर्षों से कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ में है, और क्षेत्र के सारे जनप्रतिनिधि कांग्रेस के हैं, तो विपक्ष पर निशाना साधना हास्यास्पद है। वही जब समझाईश के बाद इस पोलिंग बूथ में मतदान हुआ तो आंकड़े प्रबल रूप से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में गए जो यह प्रदर्शित करता है कि कांग्रेसी नेताओं के तर्क और दोषारोपण गलत थे।

कुछ नेताओं की मंशा पूरी, वहीं कुछ के मंसूबे रह गए अधूरे

विधानसभा चुनाव के 6 माह पूर्व बैकुंठपुर विधानसभा में जिला मुख्यालय से सटकर लगे जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 का यह उपचुनाव कोरिया की राजनीति में बहुत मायने रखता है। आगामी विधानसभा चुनाव में जहां भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों से कई दावेदार सामने आ रहे हैं, वहीं अपनी जोर आजमाइश भी लगाते हुए मैदान में दिख रहे हैं। दोनों पार्टियों के टिकट के दावेदार नेता कुछ हद तक इस उपचुनाव को अपनी पार्टी की हार के रूप में देखना चाह रहे थे, ताकि शीर्ष नेताओं का कद कम हो सके और उन्हें आगामी चुनाव में दावेदारी का मौका मिल सके। परंतु भाजपा को मिली प्रचंड जीत ने पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े का कद और ऊंचा कर दिया और क्षेत्र में उनकी पकड़ को मजबूती से दर्शाया, तो भाजपा के उन नेताओं में मायूसी होना स्वाभाविक है जो आगामी चुनाव में खुद को बतौर दावेदार प्रस्तुत कर रहे थे। वही विगत 4 वर्षों में सत्ता, संगठन और दिग्गज नेताओं के साथ वर्तमान विधायिका की दूरी और अनेकानेक कांग्रेसियों में विधानसभा सीट की दावेदारी की महत्वाकांक्षा को उपचुनाव में हार से बल मिला है। क्योंकि दावेदार नेता यह चाहते थे कि यदि कांग्रेस इस चुनाव को हारती है तो सारा ठीकरा निर्वाचित जनप्रतिनिधि के ऊपर फूटेगा, जिससे आगामी चुनाव में उम्मीदवार बदलने की संभावना प्रबल होगी। और यही कारण रहा कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता पूरी तरह इस चुनाव में निष्क्रिय नजर आए।

घटती-घटना की खबर पर लग सकती है मोहर

जिला पंचायत उप चुनाव क्षेत्र क्रमांक 6 के लिए हो रहे चुनाव पर घटती घटना ने पहले से ही सारी गतिविधियों को सबके सामने रखा था जिसमें भाजपा प्रत्याशी की जीत होनी तय मानी जा रही थी और आखिर रुझानों के अनुसार यह तय हो गया है कांग्रेस ने जहां पर सत्ता में होने के बावजूद घुटने टेकते दिखी जो कहीं ना कहीं पार्टी के लिए शर्मसार करने वाली बात है।

नगर पंचायत प्रेमनगर में पार्षद पद व ग्राम पंचायत महुली में पंच पद हेतु हुए मतदान के दौरान पुलिस की रही चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

- नगर पंचायत प्रेमनगर में पार्षद पद व ग्राम पंचायत महुली में पंच पद हेतु हुए मतदान के दौरान पुलिस की रही चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था।

- संवाददाता -

सूरजपुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत प्रेमनगर के वार्ड पार्षद पद एवं विकास खण्ड ओड़गी के ग्राम पंचायत महुली में पंच पद हेतु हुए उप चुनाव के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही, थाना की पेट्रोलिंग पार्टी लगातार गश्त लगाते रही और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा। जिला सूरजपुर अन्तर्गत नगरीय निकाय/त्रिस्तरीय पंचायत के उप निर्वाचन 2022-23 हेतु सोमवार, 9 जनवरी 2023 को विकास खण्ड प्रेमनगर अन्तर्गत नगर पंचायत प्रेमनगर के वार्ड क्रमांक 12 रानी दुर्गावती वार्ड के पार्षद पद हेतु एवं विकास खंड ओड़गी के ग्राम पंचायत महुली के वार्ड क्र. 11 के वार्ड पंच हेतु मतदान हुआ। इस दौरान पुलिस की भारी बन्दोबस्त देखा गया। पुलिस के अधिकारी व जवानों के द्वारा सुरक्षा को लेकर एलर्ट रहे और मतदान शांतिपूर्वक चलता रहा। बीते शनिवार पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने मतदान केन्द्र प्राथमिक शाला भुईहारीटिकरा का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने मतदान केन्द्र पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए थे।

राज्य स्तरीय मानवाधिकार वाद विवाद प्रतियोगिता में सूरजपुर पुलिस का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

- पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने प्रतियोगिता में उपलब्धि अर्जित करने पर एसआई व आरक्षक को नगद पुरस्कार देकर किया सम्मानित।

- संवाददाता -

सूरजपुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

बीते दिन जिला महासमुन्द में राज्य स्तरीय मानव अधिकार वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सरगुजा रेंज का प्रतिनिधित्व करते हुए जिला पुलिस सूरजपुर के एसआई नीलाम्बर मिश्रा एवं आरक्षक हेमन्त यादव ने पुलिस एवं मानवाधिकार विषय में खुलकर अपने विचारों को मजबूती के साथ रखा और उत्कृष्ट एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता करते हुए इस प्रतियोगिता में द्धितीय एवं तृतीय स्थान को प्राप्त कर सरगुजा रेंज सहित जिला पुलिस सूरजपुर का नाम रौशन किया है।

प्रतियोगिता से वापस जिला आने पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने दोनों पुलिस अधिकारी-कर्मचारी को कार्यालय में बुलाकर मानवाधिकार वाद-विवाद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अर्जित उपलब्धि पर सम्मानित करते हुए उत्साहवर्धन हेतु एसआई नीलाम्बर मिश्रा को 500 रूपये एवं आरक्षक हेमन्त यादव को 300 रूपये का नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया और दोनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। पुलिस अधीक्षक ने इन दोनों अधिकारी-कर्मचारी को जिले में मानवाधिकार से जुड़े विषय पर नागरिकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी भी सौंपी है।

विदित हो कि मानव अधिकार विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में जिले एवं सरगुजा रेंज में एसआई व आरक्षक ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए थे। इस दौरान स्टेनो अखिलेश सिंह, निरीक्षक धर्मानंद शुक्ला, जावेद मियादाद, पंकज नेमा, आनंद पैंकरा, दशरथ पैंकरा व विराट विशी मौजूद रहे।

कागज में दुकान,करोड़ों के बिल का भुगतान,अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का खेल,ग्राम पंचायत यह विभिन्न योजनाओं मनरेगा में मनमर्जी की कहानी

- दुकानदारो से ली जा रही है निर्माण कार्य की सामग्री और बिल ग्राम पंचायत के संरपच के द्वारा अपने रिशतेदारों के नाम पर जी एस टी बिल से लगाकर लाखों रूपये फर्जी तरीक़े से निर्माण कार्य के सामग्री की राशि का आहरण किया जा रहा है
- दुकानदार अपनी निर्माण कार्य की सामग्री की राशि के लिए सरपंच के लगा रहे हैं सालों से चक्कर राशि आहरण करने के बाद भी नहीं किया जा रहा है दुकानदार के निर्माण कार्य कि सामग्री कि राशि का भुगतान
- विकास खंड खडगवा मे प्रत्येक ग्राम पंचायत में सरपंच के द्वारा नात रिश्तेदार के नाम पर जीएसटी नंबर लेकर ना ही कहीं दुकान और ना ही निर्माण कार्य से संबंधित किसी प्रकार की निर्माण कार्य की सामग्री जैसे सीमेंट छड खिडकी दरवाजा तारजाली शीट एवं अन्य सामग्री की ना खरीदी का कोई बिल नहीं है और लाखों रुपये के फर्जी तरीके से बिक्री बिल लगाकर राशि का आहरण किया जा रहा है
- ये सारा खेल विकास खंड के अधिकारियों के सह पर हो रहा है जबकि इसकी जानकारी जनपद पंचायत एवं मनरेगा के सारे अधिकारियों कर्मचारियों के जानकारी मे धडल्ले से चल रहा है

- राजेन्द्र कुमार शर्मा -
खड़गवां,09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

खड़गवां विकास खंड में साठ से सतर ऐसी दुकान है जिनके नाम पर जीएसटी का नंबर जारी हुआ है और दुकान धरातल पर नहीं है जो सिर्फ और सिर्फ कागजों मे संचालित है। इन जीएसटी नंबर वाली दुकान के नाम पर पंचायतों के विभिन्न योजनाओं के कार्यो में लाखों करोड़ों रूपये के बिल लगा कर भुगतान किया जा रहा है और किया गया है इसकी जानकारी मिलने पर हमारे संवाददाता ने दुकान खोजने का भरसक प्रयास किया लेकिन चिराग लेकर खोजने पर भी दुकान खड़गवां विकास खंड में कहीं पर भी नहीं मिली। जनपद पंचायत के अन्तर्गत आने वाले 77 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2018--19 से और 2021--2022 तक महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना मूलभूत योजना चौदहवें वित्त एवं पंद्रहवें वित्त के तहत हुए कई निर्माण कार्य भी हुए मनरेगा के तहत तालाब गहरी करण, तालाब घाट पचरी निर्माण सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण पुल पुलिया निर्माण सी सी सडक निर्माण शेड निर्माण गौठान निर्माण चबूतरा निर्माण बाउंड्री निर्माण नहानी घर निर्माण शौचालय निर्माण आदि जैसे कार्य हुए हैं। जिसमें ग्राम पंचायत तोलगा एवं बड़े कलुआ में पदस्थ सचिव जयनंदन दास के द्वारा अपनी पत्नी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के नाम पर शियामती ट्रेंडर्स एंड जनरल सप्लायर के नाम पर फर्म बना कर मटेरियल सप्लाई के लिए बिल लगाया गया था। और मटेरियल सप्लाई के लिए शियामती टेंडर्स एंड जनरल सप्लायर के फर्म को लाखों रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। परंतु शियामती टेडर्स एंड जनरल सप्लायर फर्म के बिल में जो पता लिखा हुआ उस नाम की कोई दुकान ही नहीं है। और शियामती ट्रेडर्स फर्म सिर्फ कागजों में ही है संचालित है इसी तरह सैकड़ों की संख्या में जीएसटी नंबर लेकर शासन की राशि बिना जीएसटी रिर्टन भरे लाखों रुपये की राशि का आहरण धडल्ले से किया जा रहा है।

शिकायतों के बाद भी नहीं होती कार्य वाही अधिकारी देते हैं गोलमोल जवाब

इस पूरे मामले कीं पूर्व में की गई थी शिकायत के बाद भी कोई कार्य वाही का ना होने से इस तरह के कार्य करने वालो के हौसले बुलंद हो रहे हैं और धडल्ले से बिलो का उपयोग कर शासन को करोड़ों रुपये चूना लगा रहे हैं।

मनरेगा के परियोजना अधिकारी को पूर्व में इसकी जानकारी एवं शिकायत भी प्राप्त हुई थी मगर उनका एक ही जवाब था कि शियामती ट्रेडर्स एंड जनरल सप्लायर फर्म को जिला पंचायत द्वारा अप्रुव्ल दिया गया है। इससे यह बात स्पष्ट रूप से समझी जा सकती है कि जिला कार्यालय के मनरेगा शाखा एवं अन्य शाखा में बैठे अधिकारी कर्मचारी किस तरह शासकीय योजनाओं के राशि की बंदरबांट अपनी सेटिंग वाले लोगों की मिलीभगत से अंजाम दे रहे हैं।जिसके कारण इस तरह के फर्म के बिल का उपयोग किया जा रहा है। बहरहाल यह पूरा मामला जांच का विषय है कि इस फर्जी दुकान के बिल को स्थानीय अधिकारियों द्वारा बिना जांच पड़ताल के करोड़ों रुपये की राशि का भुगतान फर्म को कैसे किया गया। जो कि सिर्फ कागज में ही सीमित है। इससे अधिकारियों और इस तरह के फर्मो के बीच कमीशनखोरी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है और सारा का सारा खेल भी अधिकारियों के सह और इशारे पर किया जा रहा है।

डॉ. राजीव सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष बने इंडियन डेंटल एसोसिएशन के स्टेट प्रेसिडेंट

- संवाददाता -
कोरबा, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

विगत दिवस इंडियन डेंटल एसोसिएशन स्टेट प्रेसिडेंट का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से डॉ.राजीव सिंह जी को निर्विरोध आपसी सहमति से स्टेट प्रेसिडेंट के लिए चुना गया। डॉ राजीव सिंह के इंडियन डेंटल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर भाजपा जिला कोरबा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की एवं उनके लिए शुभकामनाएं प्रेषित की है।

महापौर क्रिकेट कप में राजनीति ना हो: नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल

- संवाददाता -
कोरबा, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिले में नगर निगम के द्वारा महापौर कप का आयोजन कराया जा रहा है। वही इस बीच निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के टीशर्ट पर छपने वाली नेताओं की फोटो के विरोध में आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा को पत्र लिखा। जिसमें उनके द्वारा कहा गया कि नगर निगम कोरबा का मूल उद्देश्य मूलभूत सुविधा जैसे रोड,बिजली, पानी,सड़क,सीवरेज की व्यवस्था करना है। परंतु वर्तमान समय में नगर निगम कोरबा अपने मूल उद्देश्य से भटक कर अन्य मनोरंजन कार्यक्रम में ध्यान दे रही है। वही नगर निगम द्वारा महापौर कप का आयोजन किया जा रहा है। हम खेल भावना एवं क्षेत्र में खेल को बढ़ावा मिले इसके पक्षधर हैं। इस हेतु जिला खेल विभाग समेत अन्य विभाग भी हैं। रामपुर कप का आयोजन या अन्य खेल कप का आयोजन जब होता है,उसमें आयोजकों द्वारा खर्च वहन किया जाता है। उसी प्रकार महापौर कप में भी महापौर द्वारा स्वयं की राशि से आयोजन करना चाहिए था। परंतु इसमें नगर निगम का राशि उपयोग हो रहा है, जबकि उक्त राशि को विकास कार्य में उपयोग करना चाहिए था। वही इसके बावजूद भी हम महापौर कप का विरोध इसलिए नहीं कर रहे हैं,ताकि खेल प्रेमी निराश ना होवें। वहीं नगर निगम कोरबा के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने आगे आयुक्त से पत्र द्वारा मुख्य मांग है कि आयोजित महापौर कप टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों के टी शर्ट पर राजनीतिक फ़ोटो लग रही है,जो ना लगे। हम सभी की खेल भावनाओं का सम्मान करते हैं,परंतु खेल को बगैर राजनीति के स्वस्थ और स्वच्छ भाव से खिलाया जाय। वही यदि फ़ोटो लगाना जरूरी ही हो तो उसमें प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री की फ़ोटो अवश्य लगाए। क्योकि निगम की 90 त्न योजनाएं केंद्रीय है,14वे वित्त या 15वे वित्त,सारा पैसा केंद्र से आता है।

शहीद कप क्रिकेट प्रतियोगिता में कोरबा पुलिस टीम हुई उप विजेता

- संवाददाता -
कोरबा, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

नक्सल हमलों में शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में राजनांदगांव पुलिस द्वारा राज्य स्तरीय शहीद कप क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 28 दिसंबर 2022 से 8 जनवरी 2023 तक पुलिस परेड ग्राउंड राजनांदगांव में किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में तैनात पैरामिलिट्री फोर्स एवं जिला पुलिस के कुल 45 टीमों ने भाग लिया द्व प्रतियोगिता में राजनांदगांव पुलिस की टीम विजेता रही , वहीं कोरबा पुलिस की टीम उपविजेता रही। शहीद कप क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा जिला कोरबा से 15 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों की टीम राजनांदगांव भेजा गया था द्व कोरबा टीम का मुकाबला बीएसएफ हेड क्वार्टर छत्तीसगढ़ , सीआईएसफ मुख्यालय भिलाई , सरगुजा रेंज , कांकेर रेंज एवं बिलासपुर पुलिस की टीम से हुआ , जिसमें जीत हासिल करते हुए कोरबा पुलिस की टीम फाइनल मैच तक पहुंची द्व फाइनल में राजनांदगांव पुलिस टीम और कोरबा टीम पुलिस के मध्य हुए कांटे के मुकाबले में कोरबा पुलिस टीम को उपविजेता का दर्जा हासिल हुआ। पूरी प्रतियोगिता के दौरान कोरबा पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया , जिसके बदौलत बेस्ट बॉलर , बेस्ट फील्डर और बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड कोरबा पुलिस टीम के झोली में आया। बेस्ट बॉलर का अवार्ड आरक्षक कमल साहू को , बेस्ट फील्डर का अवार्ड आरक्षक भवानी बंजारे को एवं बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड आरक्षक संजय कुर्रे को प्राप्त हुआ। कोरबा पुलिस टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की।

छूही मिट्टी खोदने के दौरान हुआ हादसा एक महिला की मौत,दो अन्य घायल

कोरबा, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के रजगामार पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम करमंदी और बेंदरकोना के मध्य जंगल में छूही मिट्टी खोदने के दौरान अचानक ऊपरी हिस्सा के धंसने से तीन महिलाएं मिट्टी के मलबे में दब गईं। मिट्टी के मलबे के धंसने एवं चोट लगने के साथ दम घुटने से एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला का नाम प्रमिला बाई कंवर बताया जा रहा है जो ग्राम जुनवानी की निवासी थी। वह अपने पति के साथ छुही मिट्टी निकालने गई थी। हादसे की खबर होते ही डायल 112 को सूचना दी गई। कुछ ही देर में 112 वाहन और संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा हैं कि यहां और भी लोग छुही की खुदाई कर रहे थे जो अचानक मिट्टी का मलबा धंसने से घटनास्थल से भागकर गांव पहुंचे व लोगों को बताया। ग्रामीणों ने वहां पहुंचकर मलबे में दबी महिलाओं को बाहर निकाला। गावों में ग्रामीणों द्वारा यह छूही मिट्टी अधिकतर दीवार,आंगन, चूल्हा लीपने के काम मे लाया जाता है। इसमें शीतलता होने के कारण कई तरह की बीमारियों एवं तकलीफों में दवा का भी काम करती है।

शहर में बद से बदतर होती जा रही विद्युत व्यवस्था,आंख मिचौली ऐसी की झालर भी फेल

- व्यवस्था न सुधरने पर युवाओ ने दी घेराव की चेतावनी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

शहर में बिजली व्यवस्था में सुधार के बजाए स्थिति और बद से बदतर होती जा रही है।आंख मिचौली का आलम यह है कि लोग समझ नही पा रहे है कि यह बिजली है या चायनीज झालर,फिर कई कई घण्टे बिजली के गायब होने से लोग बेहद परेशान है। बिजली विभाग के अधिकारी कुम्भकर्णीय नींद में लोगो के रोष का इंतजार कर रहे है।सोमवार को युवा कांग्रेस के नेता व सामाजिक कार्यकर्ता दीपक कर ने सूरजपुर जिले के विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सोपकर सूरजपुर शहर सहित जिले में लगातार बिजली गुल की समस्या सहित अनाप शनाप बिजली बिल आने की शिकायत करते हुए जल्द से जल्द इसका निराकरण करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि सूरजपुर शहरों सहित पूरे जिलों में लगातार बिजली गुल होने की समस्या बनी हुई है जिसके कारण जनता सहित छात्र-छात्राओ को काफी परेशानी से होकर गुजरना पड़ रहा है ,अभी कुछ ही महीनों में 10वी व 12वी की बोर्ड परीक्षाएं भी आयोजित होनी है,जिसके लिए छात्र-छात्राएं काफी मेहनत कर रहे है किंतु बिजली की समस्याओ से वो काफी परेशानी झेल रहे है ,लगातार सूरजपुर शहर सहित जिलों में बिजली गुल हो जाने की समस्या बनी हुई है जिसके कारण स्कूली बच्चे ढंग से पढ़ाई नही कर पा रहे है और लोग भी काफी परेशान है। बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आये दिन लोगो की बिजली भी अनाप शनाप भेजी जा रही है ,मीटर का बिना रीडिंग लिए बिजली बिल भेजा जा रहा है ,जिसके कारण लोग काफी परेशान है। गरीब व मध्यम वर्गीय लोगो को अनाप शनाप बिजली बिल के आने से काफी समस्याओ से होकर गुजरना पड़ रहा है।उन्होंने जल्द से जल्द इस समस्या से जनता को निजात दिलाने की मांग की अन्यथा 5 दिवस के अंदर आंदोलन करने व बिजली विभाग का घेराव करने की भी चेतावनी दी है। ज्ञापन सौपने के दौरान उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू सिंह राजपूत, मुस्तफा खान भी मौजूद थे।

सोनार उत्थान समाज की बैठक कुसमी में सम्पन हुई

- संवाददाता -
कुसमी, 09 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

सोनार उत्थान समाज की बैठक का आयोजन कुसमी फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के प्रांगण में 8 जनवरी को किया गया था। समाज के लोगो के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई कि बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष महिला ब्लॉक अध्यक्ष युवा ब्लॉक अध्यक्ष का गठन किया जाना था इस बैठक में प्रमुख रूप से परशुराम सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इनके मार्गदर्शन में समाज में गठन की प्रक्रिया पूरी की गई, इस बैठक की अध्यक्षता रामचंद्र सोनी ने की बैठक में सर्व सहमति से तीनों ब्लॉक अध्यक्ष को मनोनीत किया गया, ब्लॉक अध्यक्ष सूरजमल सोनी महिला ब्लॉक अध्यक्ष देवंती सोनी युवा ब्लॉक अध्यक्ष अशोक सोनी को मनोनीत किया गया। जिनकी अनुशंसा बलरामपुर जिला अध्यक्ष नरेश सोनी युवा के जिला अध्यक्ष अरुण सोनी ने परशुराम सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी शिवराम सोनी संभाग अध्यक्ष से की और इन्हें मनोनीत करने की मांग की इस पर संभाग प्रभारी एवं संभाग अध्यक्ष ने सहमति प्रदान कर तीनों ब्लॉक अध्यक्ष को मान्यता प्रदान की गई। सभी ब्लॉक अध्यक्ष को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं समाज के लोगो ने दिया।साथ ही समाज हित को लेकर चर्चा भी की गई, जिलाध्यक्ष के साथ मिलकर समाज हित में कार्य करें। इस बैठक में सम्माननीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे राम शंकर सोनी शिवम सोनी नंदलाल सोनी उमाशंकर सोनी पुष्पांजलि सोनी पूजा सोनी, उषा देवी ,विंध्यवासिनी सोनी, अन्नू सोनी नीलू सोनी विनीता सोनी रिया सोनी मीना सोनी कृष्ण मुरारी सोनी रामचंद्र सोनी अशोक सोनी विजय सोनी पवन सोनी राजवीर सोनी कृष्णा सोनी प्रभुदयाल सोनी के.सी. सोनी मुकुंद धारी सोनी प्रेमशंकर सोनी जयराम प्रसाद सोनी विनोद प्रसाद सोनी रामस्वरूप सोनी सरवन कुमार सोनी कन्हाई सोनी शिव कुमार सोनी इसके अलावा और भी सम्मानीय सदस्य गण उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र.-/अ-2/2021-2022

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दीप्ती स्वाई पति गोविंद स्वाई, जाति क्षत्रिय , निवासी ग्राम-सतपता, तहसील-लटोरी, जिला-सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-सतपता, प.ह.नं.-03 रा, नि. मं,-विश्रामपुर, तहसील-सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 304/8 रकबा 0.020 हे. को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में ग्रामा-सतपता के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 19.01.2023 को न्यायालयीन समसावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक-05/01/2023 को न्यायालीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्ताव्याधिकारी, भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार नजूल, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

रा.प्र.क्र.-1246/अ-20(1) /2022-23

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ.ग. राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदिका गीता रजक आ0 संजय रजक निवासी तुर्रापानी गॉधीनगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम तुर्रापानी गॉधीनगर, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि खसरा नंबर 32/1 रकबा 15.29 एकड़ में से रकबा176.49 वर्गमीटर भूमि पर पक्का मकान निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थानपन/आबंटन बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक-30/01/2023 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक-09/01/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल तहसीलदार, अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

रा.प्र.क्र.-80/अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अमरून निशा पत्नी जलालुद्दीन खान, आयु लगभग-55 वर्ष, जाति-मुसलमान, निवासी मोहल्ला-जायसवाल चित्र मंदिर टाकिज के पीछे, नगर अम्बिकापुर, थाना व तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व और आधिपत्य कि स्थित नजूल भूमि मोहल्ला- खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल शीट क्रमांक-02, भू-खण्ड क्रमांक-381/3, रकबा-566.36 वर्गफीट भूमि वर्तमान नजूल साधारण खसरा में भू-धारक अमरून निशा पत्नी जलालुद्दीन खान, निवासी-चित्र मंदिर के पीछे, अम्बिकापुर के नाम पर मकान अंकित है। आवेदिका उपरोक्त आवेदिका नजूल भू-खण्ड को अपना मकान बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करना चाहती हैं। आवेदिका रपरोक्त नजूल भू-खण्ड को बंधक रखने हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा एवं शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/01/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक-05/01/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

रा.प्र.क्र.81/अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका फरीदा खानम पत्नी कमालुद्दीन खान, आयु लगभग-45 वर्ष, जाति-मुसलमान, निवासी मोहल्ला-जायसवाल चित्र मंदिर टाकिज के पीछे, नगर अम्बिकापुर, थाना व तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व और आधिपत्य कि स्थित नजूल भूमि मोहल्ला- खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल शीट क्रमांक-02, भू-खण्ड क्रमांक-381/4, रकबा-546.89 वर्गफीट भूमि वर्तमान नजूल साधारण खसरा में भू-धारक फरीदा खानम पत्नी कमालुद्दीन खान, निवासी-चित्र मंदिर के पीछे, अम्बिकापुर के नाम पर मकान अंकित है। आवेदिका उपरोक्त आवेदिका नजूल भू-खण्ड को अपना मकान बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करना चाहती हैं। आवेदिका उपरोक्त नजूल भू-खण्ड को बंधक रखने हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा एवं शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/01/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक-05/01/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

CMYK

पहले वनडे में ओपनिंग में ये बल्लेबाज उतरेगा रोहित शर्मा के साथ

गुवाहाटी,09 जनवरी 2023। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का शुरुआत 10 जनवरी से होने वाली है। इस सीरीज का पहला मुकाबला गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। इस सीरीज के साथ टीम इंडिया की विश्व कप 2023 की तैयारी भी शुरू होने वाली है। तीन मैचों की वनडे सीरीज को जीतकर भारत अच्छी शुरुआत करना चाहेगी।

वनडे सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी वापसी करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में अंगूठे में चोट लगने के बाद से वो टीम से बाहर थे। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह भी श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी करने जा रहे है। माना जा रहा है कि इस बार प्लेइंग इलेवन में कई सीनीयर खिलाड़ी शामिल हो सकते है।

ओपनिंग की जिम्मेदारी रोहित के साथ निभाएंगे ये

माना जा रहा है कि वनडे सीरीज के लिए कप्तान रोहित शर्मा के साथ ईशान किशन ओपनिंग करने मैदान पर उतर सकते है। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ईशान किशन हुए वनडे मैच में दोहरा शतक बनाकर जबरदस्त फॉर्म में है। माना जा रहा है कि ईशान किशन को मौका

मिलने से शुभमन गिल टीम से बाहर बैठ सकते है।

तीसरे नंबर पर विराट कोहली और चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव का खेलना तय माना जा रहा है। सूर्य कुमार यादव ने बीते टी20 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ शतक जड़ा था। इसके बाद केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल का खेलना तय है।

लंबे समय बाद दिखेगा ये खिलाड़ी

गुवहाटी में होने वाले पहले वनडे मुकाबले में जसप्रीत बुमराह भी दिखाई देंगे। जसप्रीत इस सीरीज में लगभग छह महीनों बाद भारतीय टीम में वापसी करने जा रहे है। इस मुकाबले में भारतीय टीम तीन तेज गेंदबाजों को शामिल कर सकती है जिमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक का नाम शामिल है। अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी को भी टीम में जगह मिल सकती है।

पहले वनडे में भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग 11- ईशान किशन, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, उमरान मलिक

अंडर-17 यूथ कप नॉकआउट राउंड 23 जनवरी से डेक्कन एरिना में होंगे शुरू

कोलकाता ,09 जनवरी 2023। हीरो अंडर-17 यूथ कप के नॉक-आउट राउंड हैदराबाद के डेक्कन एरिना में 23 जनवरी से शुरू होने वाले हैं, जहां शीर्ष ट्रॉफी जीतने के लिए 16 टीमें आपस में भिड़ेंगी।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने नयी दिल्ली में एआईएफएफ कार्यालय में 16 राउंड के ड्रॉ के बाद 31 जनवरी को होने वाले फाइनल मैच की घोषणा की।

हीरो अंडर-17 यूथ कप ग्रुप स्टेज में कुल 49 टीमों भाग लिया था, जहां उन्हें 10 ग्रुप में बांटा गया था, जो इस प्रकार हैं.. गढ़वाल फुटबॉल क्लब (एफसी), टेकट्रो स्वदेस यूनाइटेड एफसी, मिनर्वा पंजाब एफसी, क्लासिक फुलबॉल अकादमी, पंजाब स्टेट एफए अंडर-17 टीम, सुदेव दिल्ली एफसी और जिंक फुटबॉल अकादमी 10 ग्रुप विजेताओं के रूप में चालीफाई किया है।

एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, हीरो अंडर-17 यूथ कप का नॉकआउट दौर हम पर है और हमने अब तक कुछ वास्तव में प्रतिस्पर्धी खेल का प्रदर्शन देखा है। इस टूर्नामेंट में सभी टीमों ने शानदार प्रतिस्पर्धा और कुछ बेहतरीन प्रतिभा दिखाई है। नॉकआउट दौर के लिए हैदराबाद जाने वाली सभी टीमों को मेरी शुभकामनाएं। आपके महान खेल से हम भारतीय फुटबॉल का उज्जवल भविष्य देखेंगे। हम कुछ विशिष्ट स्तर की प्रतिभाओं को देखने का इंतजार अब ज्यादा नहीं कर सकते हैं, जो भविष्य में भारत को गौरवान्वित करेंगी।

सोलह दौर की टीमें इस प्रकार हैं और उनके मैच की तिथि भी दी गयी है।

23 जनवरी- गांधीनगर एफसी बनाम टेकट्रो स्वदेस यूनाइटेड एफसी

23 जनवरी- हिमालयन एफसी किन्नौर बनाम राजस्थान यूनाइटेड एफसी

23 जनवरी- केआर फुटबॉल लीडर्स बनाम पंजाब स्टेट एफए अंडर-17

23 जनवरी- क्लासिक फुटबॉल अकादमी बनाम मिनर्वा अकादमी एफसी

24 जनवरी- श्रीनिदी डेक्कन एफसी बनाम सुदेवा दिल्ली एफसी

24 जनवरी- कॉर्बेट एफसी बनाम जिंक फुटबॉल अकादमी

24 जनवरी- चेन्नईयिन एफसी बनाम गढ़वाल एफसी

24 जनवरी- ओडिशा एफसी बनाम मुथूट फुटबॉल अकादमी क्वार्टर फाइनल के मैच

25 जनवरी- राउंड 16 के पहले विजेता बनाम राउंड 16 का दूसरा विजेता

25 जनवरी- राउंड 16 के तीसरे विजेता बनाम राउंड 16 के चौथे विजेता

26 जनवरी- राउंड 16 के पांचवें विजेता बनाम राउंड 16 के छठे विजेता

26 जनवरी - राउंड 16 के सातवें विजेता स बनाम राउंड 16 के आठवें विजेता के बीच होगा।

सेमीफाइनल-

सत्ताइस जनवरी को चार्टर फाइनल के पहले विजेता बनाम चार्टर फाइनल के दूसरे विजेता के बीच मैच खेला जाएगा। इसके बाद 28 जनवरी को चार्टर फाइनल के तीसरे विजेता बनाम चार्टर फाइनल के चौथे विजेता के बीच मैच खेला जाएगा। इसके बाद 31 जनवरी को जो टीमें विजयी होगी, उनके बीच में फाइनल मैच खेला जाएगा।

बोम्मई ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का लोगो व मास्कोट किया जारी

बेंगलुरु ,09 जनवरी 2023। इस साल राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन कर्नाटक में किया जाएगा। राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन कर्नाटक में 12 से 16 जनवरी के बीच आयोजित होगा।

कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में 12 से 16 जनवरी के बीच राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्री बोम्मई ने इस युवा महोत्सव का लोगो और मास्कोट जारी किया। इसको एक समारोह में वर्चुअली रिलीज किया गया है। इस समारोह में केंद्रीय कोयला, खनन और संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और कर्नाटक के युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री डॉ सी.नारायण गौड़ा मौजूद रहे।

इस साल राष्ट्रीय युवा महोत्सव की थीम 'विकसित युवा, विकसित भारत' है। उम्मीद है कि इस महोत्सव में देश के कोने-कोने से लगभग 7,500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर हुबली में इस उत्सव का उद्घाटन करेंगे।बसवाराज बोम्मई ने इस साल राष्ट्रीय युवा महोत्सव और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स सम्मेलन के लिए कर्नाटक को चुनने के लिए भारत सरकार का धन्यवाद दिया। राज्य ने युवा महोत्सव को भव्य स्तर पर आयोजित करने के लिए सभी इंतजाम भी कर लिए हैं।

हॉकी विश्व कप 2023 से पहले कटक में होगा शानदार आगाज

कटक ,09 जनवरी 2023। पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले इसका शान आगाज ओडिशा के कटक में आयोजित किया जाएगा। हॉकी के इस बड़े टूर्नामेंट का आयोजन 13 जनवरी से 29 जनवरी तक ओडिशा के कटक और राउरकेला में आयोजित किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस बार भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करेगी। इससे पहले वर्ष 2018 में हुए पुरुष हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम नीदरलैंड से हारने के बाद सेमीफाइनल से बाहर हुई थी। वहीं इस टूर्नामेंट के बाद से भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

ओडिशा सरकार में खेल और युवा सेवा के सचिव आर विनील कृष्णा ने एएनआई को बताया, ÷हम 11 जनवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में एक भव्य उत्सव कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इस अवसर पर, हम सभी हॉकी विशेषज्ञों, पूर्व हॉकी खिलाड़ियों को भी आमंत्रित कर रहे हैं। , राज्य और राष्ट्रीय संघ के सदस्यों के साथ-साथ कोणार्क में एक राष्ट्रीय हॉकी सम्मेलन के लिए, जो इस बात पर विचार-मंथन सत्र होगा कि वर्तमान में खेल की गति को कैसे आगे बढ़ाया जाए।÷

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और फाइनल टच दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक टूर्नामेंट में समुदाय, विशेषकर छात्रों को शामिल करने के लिए कितने उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य और देश भर में सभी को शामिल करने के मामले में इस बार और अधिक आकर्षक तरीके से योजना बनाई गई है।

भारत को 2047 तक एशियाई फुटबॉल के शीर्ष चार में पहुंचाना है : प्रभाकरण

नयी दिल्ली ,09 जनवरी 2023। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने 'विजन 2047' की घोषणा करते हुए कहा कि वह अगले 25 साल में भारत को एशियाई फुटबॉल के शीर्ष चार देशों में पहुंचाना चाहते हैं।

गौरतलब है कि भारत फिलहाल एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) में 19वें स्थान पर है, जबकि फीफा रैंकिंग में वह 106वें स्थान पर है।

भारतीय फुटबॉल की सूरत बदलने के लिये तैयार किये गये नक्शे 'विजन 2047' में राष्ट्रीय टीम, फुटबॉल प्रशासन, बुनियादी ढांचे, महिला फुटबॉल और जमीनी स्तर के फुटबॉल से जुड़ी योजनाएं पेश की गयीं। विजन 2047 को बेहतर तरीके से लागू करने के लिये चार साल की छह रणनीतिक योजनाओं में विभाजित किया गया है। इनमें से पहल अवधि 2026 में पूरी होगी।

प्रभाकरण ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय टीम को एएफसी रैंकिंग के शीर्ष चार में पहुंचाने के अलावा महासंघ भारत में फुटबॉल के लिये एक जीवंत माहौल तैयार करना चाहते हैं। राष्ट्रीय टीमों के अनुभव में इजाफा करने के लिये साल में कम से कम दो बार महाशिविर आयोजित किये जायेंगे। महिला और पुरुष अंडर-17 विश्व कप में योग्यता के आधार पर जगह बनाना भारत की प्राथमिकता होगी।

प्रभाकरण ने कहा कि एआईएफएफ इस दिशा में काम करते हुए अपने संगठनात्मक ढांचे में व्यापार और वाणिज्य विभाग जोड़ने जा रहा है। महासंघ के इतिहास में पहली बार शुरू होने वाले इस विभाग का उद्देश्य एआईएफएफ के राजस्व को बढ़ाना और उसे वित्तीय रूप से मजबूत करना होगा। साल 2026 तक व्यापार और वाणिज्य विभाग का लक्ष्य एआईएफएफ के राजस्व को 500 प्रतिशत करना और तीन 'प्रमुख टेलीविजन सामग्री' लॉन्च करना होगा।

प्रभाकरण ने जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि एआईएफएफ का 2026 का लक्ष्य जमीनी कार्यक्रमों के माध्यम से 3.5 करोड़ बच्चों तक पहुंचना और पूरे भारत के 100 गांवों में ग्रामीण जमीनी कार्यक्रमों को लागू करना है। 'फ्लैगशिप ग्रासरूट प्रोजेक्ट' का उद्देश्य 10 लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना और 2.5 करोड़ बच्चों को फुटबॉल स्कूलों के माध्यम से फुटबॉल शिक्षा प्रदान करना है।

महिला फुटबॉल से जुड़े लक्ष्यों के बारे में प्रभाकरण ने बताया कि महासंघ 2026 तक चार-स्तरीय लीग टेबल पिरामिड का निर्माण सुनिश्चित करेगा, जिसके शीर्ष पर भारतीय महिला लीग (10 टीमें) का कब्जा होगा। इसके बाद द्वितीय श्रेणी (आठ टीमें) लीग और आठ टीमों के साथ पांच जोनल लीग भी होंगी। इसके अलावा, एक नयी महिला युवा लीग संरचना प्रस्तावित की गयी है जिसमें विभिन्न आयु समूहों के खिलाड़ी न्यूनतम 14 मैच खेलेंगे।

एआईएफएफ ने बुनियादे ढांचे में सुधार की दिशा में काम करते हुए 2026 तक एक स्मार्ट स्टेडियम और दो फीफा मानक के स्टेडियम बनाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही वह 2047 तक फीफा मानक पर खरे उतरने वाले 30 स्टेडियम और 12 स्मार्ट स्टेडियम बनाना चाहते हैं।

प्रभाकरण ने बुनियादी ढांचे की योजनाओं पर रोशनी डालते हुए कहा कि महासंघ ने अगले 25 साल में हर जिले में कम से कम 50 फुटबॉल पिचें और 50 पेशेवर फुटबॉल क्लबों के लिये उनके अपने ट्रेनिंग स्थल तैयार करने की योजना बनायी है। इससे पहले महासंघ सरकारी अधिकारियों, फुटबॉल क्लबों, कॉरपोरेट घरानों और निजी निवेशकों को बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित करने के इरादे से नीतिगत हस्तक्षेप करेगा। साल 2024 तक एक ग्रेडिंग और लाइसेंसिंग मानदंड लागू होगा, जबकि 2026 तक एक मेगा फुटबॉल पार्क औपचारिक रूप से तैयार किया जायेगा।

एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस अवसर पर कहा कि उन्होंने यह नक्शा तैयार करने के लिये भारत के उन क्षेत्रों का दौरा किया, जिन्हें 'पिछले 85 वर्षों में' नहीं खंगाला गया। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल को इस समय एक फलसफे की जरूरत है, जिसे बुनियाद बनाकर इन लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है।

चौबे ने कहा, विजन 2047 वह तस्वीर पेश करता है जहां हम अपने देश की आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारतीय फुटबॉल को देखना चाहते हैं। ऐसे समय में जब विश्व मंच पर भारत की भूमिका तेजी से प्रमुख होती जा रही है, हम अपने राष्ट्र के जैसी एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू कर रहे हैं। यह केवल महासंघ की यात्रा नहीं है, बल्कि एक ऐसी यात्रा है जो भारतीय फुटबॉल से जुड़ी हर इकाई द्वारा एक साथ तय की जाएगी।

उन्होंने कहा, मैं भारतीय फुटबॉल के वैभवशाली दिनों को फिर से बहाल करने का सपना देखता हूं, जैसा कि 1950 और 60 के दशक में था और इसे एक बार फिर से एशियाई फुटबॉल का केंद्र बनना चाहता हूं। सपने देखना हमारा अधिकार है और उस सपने को पूरा करने के लिये हर संभव प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। हम भारतीय फुटबॉल को उन ऊंचाइयों तक ले जाने की आकांक्षा करते हैं, जहां हम पहले कभी नहीं बढ़े।

केजीएफ चैप्टर 3 की शूटिंग में होगी देरी

सुपरस्टार यश के जन्मदिन के मौके पर केजीएफ फिल्म सीरीज के प्रोड्यूसर विजय किरागंदूर ने केजीएफ चैप्टर 3 के संबंध में बड़ा अपडेट दिया है। विजय ने बताया कि अब केजीएफ चैप्टर 3 की शूटिंग 2024 में नहीं बल्कि साल 2025 में शुरू होगी, वहीं फिल्म रिलीज 2026 में होगी।

अब सवाल यह उठता है कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने में इतना वक्त क्यों लग रहा है?

रिपोर्ट के मुताबिक, केजीएफ फ्रेंचाइजी के निर्देशक प्रशांत नील, प्रभास की फिल्म सालार की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म सालार की शूटिंग खत्म करने के बाद प्रशांत, जूनियर एनटीआर की फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इस तेलुगू फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी और अगले साल रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म का काम खत्म करने के बाद ही प्रशांत केजीएफ चैप्टर 3 पर ध्यान केंद्रित करेंगे।होम्बले फिल्म्स के संस्थापक विजय किरागंदूर और चालुवे गौड़ा ने खुलासा किया था कि उनकी सालार ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी केजीएफ से बड़ी होगी। उन्होंने कहा था, फिल्म की 80 फीसदी शूटिंग हो चुकी है। केवल

क्लाइमेक्स बाकी है, जिसे हम जनवरी में पूरा करेंगे। यह हमारी अब तक की किसी भी अन्य फिल्म से बड़ी होगी। बता दें, प्रभास और श्रुति हासन की यह फिल्म 28 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

प्रोड्यूसर विजय ने बताया था कि वह केजीएफ फ्रेंचाइजी को मार्वल यूनिवर्स की तरह विकसित करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, हम अलग-अलग फिल्मों से रोचक किरदारों को साथ लाकर डॉक्टर स्ट्रेंज जैसी यूनिवर्स क्रिएट करना चाहते हैं। जैसा स्पाइडरमैन: होमकमिंग में या फिर डॉक्टर स्ट्रेंज में हुआ था, ताकि हम आसानी से और कम समय में अधिक दर्शकों तक पहुंच सके।

केजीएफ 2 ने दुनियाभर से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक बटोरे हैं। यह 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने वाली चौथी भारतीय फिल्म है। फिल्म ने अपने ओपनिंग वीकेंड पर बाहुबली 2 के ग्लोबल कलेक्शन को मात दे दी। फिल्म ने अपने ओपनिंग वीकेंड में 552 करोड़ रुपये कमाए, जबकि बाहुबली 2 526 करोड़ रुपये ही कमा पाई थी। फिल्म के हिंदी वर्जन ने भारत में सबसे बड़ी ओपनिंग पाने वाली फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

थाई हाई स्लिट स्कर्ट में हुमा कुरैशी ने गिराईं हुस्न की बिजलियां

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की बहुचर्चित वेब सीरीज महारानी सीजन 2 के बाद लोगों के दिलों पर इस कदर छाईं कि फैंस उनके अभिनय की तारीफ करते नहीं थकते हैं। वहीं, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की लेटेस्ट तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा रखा है। ब्लैक कलर की थाई हाई स्लिट स्कर्ट में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। पिंक कलर के क्रॉप टॉप में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी ग्लैमरस अदाएं बिखेरती नजर आ रही हैं। न्यूड मेकअप और ग्लॉसी लिपस्टिक में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी गजब की बला लग रही हैं। हाई स्लिट स्कर्ट में हुमा कुरैशी अपनी टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। दमदार अभिनय के दम पर हुमा कुरैशी की पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में हुमा कुरैशी लाइट ग्रीन कलर की वन पीस ड्रेस में बेहद खूबसूरत और हॉट लग रही हैं। हुमा कुरैशी अपने खूबसूरत अंदाज और ग्लैमरस लुक से महफिल लूटती हुई नजर आ रही हैं। हुमा कुरैशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस बहुत जल्द नेटफ्लिक्स की अगली फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग में भी नजर आई हैं।

पोन्नियिन सेल्वन-1 सर्वश्रेष्ठ फिल्म की दौड़ में शामिल,पीछे रह गई आरआरआर

एशियन फिल्म अवॉर्ड्स के 16वें संस्करण का आयोजन 12 मार्च को हांगकांग में होगा। एकेडमी ने अवॉर्ड फंक्शन से दो महीने पहले नामांकन सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार, एशियन फिल्म अवॉर्ड्स में इस साल केवल दो भारतीय फिल्में ही नामांकन हासिल कर पाई हैं। निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 1 (पीएस-1) छह श्रेणियों में नामांकित हुई है, वहीं निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर केवल दो श्रेणियों में स्थान बना पाई है।

एशियन फिल्म अवॉर्ड्स एकेडमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। एकेडमी ने ट्वीट करते हुए लिखा, 16वें एशियन फिल्म अवॉर्ड्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस अभी-अभी सफलतापूर्वक समाप्त हुई है! 16वें एशियन फिल्म अवॉर्ड्स का आयोजन 12 मार्च (रविवार) की शाम 7:30 बजे हांगकांग पैलेस संग्रहालय में किया जाएगा। 16वें एशियन फिल्म अवॉर्ड्स के लिए नामांकन सूची जारी कर दी गई है, साथ ही जूरी अध्यक्ष की घोषणा भी हो गई है।

नामांकन सूची के मुताबिक, पोन्नियिन सेल्वन 1 को सर्वश्रेष्ठ फिल्म की श्रेणी में नामांकित किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संपादन के लिए श्रीकर प्रसाद, सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी के लिए रवि बर्मन, सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए एआर रहमान, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन के लिए एका लखानी और सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन के लिए थोटा थरानी का नाम भी नॉमिनेट हुआ है। बता दें, 250 करोड़ के बजट में बनी पोन्नियिन सेल्वन 1 ने दुनियाभर में 488.36 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म आरआरआर के लिए श्रीनिवास मोहन का नाम सर्वश्रेष्ठ विजुअल इफेक्ट्स और अश्विन राजशेखर का नाम सर्वश्रेष्ठ साउंड के लिए नामांकित हुआ है। बता दें, ऑस्कर पुरस्कार के बाद आरआरआर ने बीएएफटीए 2023 में भी अपनी जगह बना ली है। बीएएफटीए में आरआरआर को फिल्म नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज कैटेगरी में जगह मिली है। वहीं, ऑस्कर के लिए आरआरआर के गाने नाटु-नाटु को बेस्ट म्यूजिक (ऑरिजनल सॉन्ग) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

आरआरआर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 903.68 करोड़ का कारोबार कर चुकी है, वहीं विदेशों से फिल्म ने 221.32 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके साथ फिल्म की कुल कमाई 1,125 करोड़ तक जा पहुंची है। अलग-अलग भाषा में फिल्म के प्रदर्शन की बात करें तो आरआरआर ने तेलुगू में 428.27 करोड़, हिंदी में 265.42 करोड़, तमिल में 58.48 करोड़, मलयालम में 18.41 करोड़ और कन्नड़ में 1.52 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

राजनांदगांव में बीजेपी का सीएम बघेल पर आक्रमक वार

सरकार की विफलता पर अपने ही मंत्री ने दिया इस्तीफा

राजनांदगांव,09 जनवरी 2023। अमित शाह के दौरे के बाद बीजेपी अब मिशन मोड में आ गयी है। राजनांदगांव में दो दिनों चली भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भी चुनावी चिंतन हुआ। कार्यसमिति के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने कहा कि राजनांदगांव में हुई प्रदेश पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक में अब तक के कार्यक्रमों की समीक्षा और आगे की योजना तये की गयी।

जमीनी स्तर पर आम जनता से लेंगे फीडबैक

अरूण साव ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह का सफल कार्यक्रम 7 जनवरी को हुआ। भाजपा पदाधिकारियों ने एक ही दिन में राजनांदगांव के 4 विधानसभा क्षेत्रों के 165 शक्ति केंद्रों में 150 शक्ति केंद्रों में जाकर वहां शक्तिकेंद्र प्रमुख, सयोजक , सहसयोजक बूथ अध्यक्ष गण से मिलकर विभिन विषयो पर चर्चा कर बूथ स्तर पर चुनावी तैयारियों को मजबूत किया गया है। शक्ति केंद्रों में आए लोगो में भूपेश सरकार की वादाखिलाफी, शराबबंदी, सड़को की खराबी, आवास और अन्य कई समस्याओं की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री बघेल पर आक्रमक वार

प्रदेश के लगभग 16 लाख प्रधानमंत्री आवास राज्य की भूपेश बघेल सरकार के राज्यांश न मिलने के कारण बंद पड़े है। प्रधानमंत्री आवास निर्माण के विषय में कांग्रेस सरकार के पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव जी ने बकायदा पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को पुनः याद दिलाते हुए, इस विषय पर अपनी सरकार की विफलता पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के असहयोगात्मक रवैये के कारण इस्तीफा दे चुके है ।

भूपेश बघेल राजनीतिक द्वेष के कारण इस्तीफा स्वीकार कर चुके है परंतु आम गरीब के अधिकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की दिशा में कोई कदम नहीं बढ़ा रहे है। जनहित के इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता पंचायत स्तर पर जनता से मिलकर उनकी परेशानियों की जानकारी एकत्र कर रहीं है। भाजपा छत्तीसगढ़ के 11 हजार, पंचायतों में से 4,993 तक पहुंची है जिसमें लगभग 3 लाख पचास हजार प्रभावितों ने प्रधानमंत्री आवास हेतु आवेदन दिए हैं।

यह कार्य अभी जारी है और भाजपा 11 हजार पंचायतों तक पहुंचकर प्रभावितों से आवेदन प्राप्त करेंगे। शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर के कार्यक्रम की योजना बनाई गई है । भाजपा पूरे छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास गरीबों को दिलाने के लिए पदयात्रा करेगी और विधानसभा क्षेत्र में विधायकों का घेराव किया जाएगा।

कांग्रेस राज में धर्मातरण चरम सीमा पर

प्रदेश में कांग्रेस राज में धर्मातरण अपनी चरम सीमा को लांघ चुका है आदिवासी समाज के लोग जो अपनी धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे है सरकार उन्हे न्याय देने की जगह उनके साथ मारपीट करवा रही है गिरफ्तार करवा रही है।आदिवासी समाज का उत्पीड़न हो रहा है भाजपा आदिवासी समाज के साथ इस लड़ाई में कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है।

बस्तर का आदिवास, वनवासी समाज आज अशांत है, बस्तर अंदर ही अंदर एक ज्वालामुखी का रूप ले रहा है कांग्रेस सरकार को सुकमा एसपी,और वहां के कमिश्नर ने साफ शब्दों में धर्मातरण की जानकारी दी, लेकिन सरकार ने कुछ नही किया।

भाजपा के जिलाध्यक्ष जो जनजाति समाज के प्रमुख रहे है उन्हे डंडे से पीटकर, उनकी पगड़ी उछाली। बस्तर बंद रहा। हालात बेहद संवेदनशील बने हुए है कांग्रेस सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति खत्म करने पर आमदा है।

जी 20 की तैयारियों को लेकर भी की चर्चा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हटाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ अभियान अभी चल रहा है। 11 लोकसभा क्षेत्रों में 4-4 विधायकों की टोली बनायी गयी है। विधानसभा क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर आम जनता और कार्यकर्ताऔ से मुलाकात कर रहे हैं। अब तक 66 विधानसभा क्षेत्रों में अभियान पूरा हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री की परीक्षा पर चर्चा के दौरान बीजेपी पेंटिंग कॉम्पिटिशन करायेगी। बैठक में जी 20 सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भी बैठक में चर्चा की गयी। 15 और 16 जनवरी को जी 20 के सदस्यों की रंगोली तैयार की जाएगी।

देश के वंचित वर्ग के व्यक्ति को उनका खुद का मकान मिले इसके लिए माननीय नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ की। 2015 से योजना प्रारंभ होने के 3 वर्ष यानी 2018 तक छत्तीसगढ़ में छह लाख से अधिक मकानों का निर्माण हुआ प्रत्येक गांव में 60 से लेकर 200 तक मकान बनाए गए, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार आने के बाद 60 हजार करोड़ से ऊपर के कर्ज लेने के बावजूद गरीबों के स्वयं का मकान बनाने का कार्य बंद हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व कांग्रेस नेत्री को गंवानी पड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी

बालोद ,09 जनवरी 2023। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले की गुरुर नगर पंचायत में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गहमागहमी के बीच मतदान हुआ। इसमें अध्यक्ष को अपनी कुर्सी गवानी पड़ी। 15 पार्षदों वाली नगर पंचायत में अध्यक्ष की कार्यप्रणाली से पार्षद लंबे समय से असंतुष्ट चल रहे थे। इस कारण पार्षदों ने पार्षदों ने एकजुट होकर अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया, जहां पार्षदों ने एकजुट होकर एसडीएम को एक आवेदन सौंपा था, जहां पार्षदों को लंबे समय से चुनाव की तारीख तय होने का इंतजार था।

नगर पंचायत काम काज के समीक्षा के बाद प्रशासनिक स्तर पर चुनाव की तारीख तय की गई। इसके बाद पक्ष-विपक्ष में पार्षदों को अपने-अपने पक्ष में लाने की कवायद तेज हो गई। आज हुए मतदान में 15 पार्षदों में 10 पार्षद ने किया अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान। अध्यक्ष टीकेश्वरी साहू को अपनी खुर्सी गवानी पड़ी। विदित हो कुछ दिनों पहले ही टीकेश्वरी साहू को कांग्रेस से निलंबित किया गया था। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था।

रायपुर एम्स के डायरेक्टर डॉ नितिन नागरकर ने दिया इस्तीफा

रायपुर,09 जनवरी 2023। एम्स डायरेक्टर डाक्टर नितिन नागरकर ने केंद्र सरकार को इस्तीफा दे दिया है। बता दें 31 मार्च तक ही वे सेवा में रहेंगे। डाक्टर नितिन नागरकर साल 2012 से लगातार डायरेक्टर पद पर थे। इसके साथ ही अब नए डायरेक्टर की चुनने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।निदेशक डा. नितिन एम. नागरकर का कहना है कि घर में कोई डाक्टर नहीं है। पिताजी, चाचा, भाई समेत परिवार में सभी इंजीनियर हैं। उनका भी मन था कि वह इंजीनियर बनें, लेकिन दादी ने कहा कि डाक्टर बनना है। उन्होंने कहा कि चूंकि इंजीनियरिंग में रुचि है, इसलिए एम्स में जब भी कंस्ट्रक्शन का काम चलता है तो वहां जाकर घंटों रहकर काम कराते हैं।

निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन की सूचना

दंतेवाड़ा ,09 जनवरी 2023। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2023 के संदर्भ में दंतेवाड़ा जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 88-दंतेवाड़ा के 273 मतदान केन्द्रों में 05 जनवरी 2023 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन प्रारूप-16 में किया गया। अंतिम प्रकाशन पश्चात दंतेवाड़ा जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 88- दंतेवाड़ा में पुरुष मतदाता- 85970, महिला मतदाता- 95793 कुल 181763 मतदाता हैं।

फरार हुआ सहारा प्रबंधक

धमतरी ,09 जनवरी 2023। सहारा इंडिया चिटफंड कंपनी में जमा राशि को वापस दिलाने की मांग को लेकर निवेशक और अभिकर्ताओ ने कलेक्टोरेट में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद निवेशक और अभिकर्ताओ ने राशि वापस दिलाने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौपा।

दरअसल दर्जनो चिटफंड कंपनियों ने लोगो को कम समय में पैसा डबल का झांसा देकर रकम निवेश कराया। वहीं जब राशि वापस देने की बारी आई तो कंपनी संचालक अपना सारा कारोबार समेट कर फरार हो गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ही कांग्रेस का चेहरा

विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर मंत्री ने दिया बड़ा बयान

रायपुर,09 जनवरी 2023। कांग्रेस 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चेहरे पर लड़ेगी. यह बात कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर के छत्तीसगढ़ में (भाजपा में) चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तय नहीं होने पर कही.

मंत्री अमरजीत भगत ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भाजपा में क्राइसिस है, जिसकी वजह से किसी का नाम नहीं तय कर पा रहे हैं. मुझे याद है कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा के विष्णु देव साय को हटाया और बेइज्जती की. उसी दिन आदिवासी समाज आहत हुआ. बहुत सारे लोग इनके विरोध में है. वहीं धर्मांतरण पर प्रदेश में गरमा रही सियासत को कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने आरएसएस और भाजपा का गुप्त एजेंडा करार दिया. उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सल समस्या से काफी हद तक निजात पाने के बाद नई समस्या खड़ी करने की कोशिश की जा रही है, क्योंकि ये गुप्त एजेंडा है.

अमरजीत भगत ने कहाकि धार्मिक उन्माद फ़ैलाने वाले, आईटी, ईडी इनके (भाजपा) विंग्स हैं. अलगाव पैदा करने की कोशिश है. हमारी सरकार का नज़रिया साफ़ है कि जो भी उन्माद फैलाएगा, कार्रवाई होगी. उन्होंने आरोप लगाया कि जिन राज्यों में चुनाव नज़दीक हो, वहां आरएसएस को जिम्मेदारी दी जाती है. विंग सक्रिय हो जाता है. मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि धान खरीदी छत्तीसगढ़ में अच्छे से चल रही है, किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आ रही है. हमारा अनुमान था कि 1 लाख 10 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी करेंगे, उसके बिल्कुल करीब आते जा रहे हैं. किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम करने में चुनौतीपूर्ण काम है. पूरे हिंदुस्तान में जहां कही भी किसानों का आंदोलन होता है, वह मांग उठती है कि छत्तीसगढ़ की तरह धान खरीदी को लेकर सकारात्मक पहल हो.

इन अधिकारी और कर्मचारियों को मिलेगा एक माह का बजट बोनस

रायपुर,09 जनवरी 2023। सरकारी अफसर-कर्मचारियों को भले ही बढ़ा हुआ डीए नहीं मिल पा रहा है, लेकिन वित्त विभाग के अफसर-कर्मियों को एक माह का अतिरिक्त वेतन बजट बोनस के रूप में मिलेगा। इस आशय के आदेश जारी कर दिए गए है। बताया गया कि वित्त विभाग के विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा, शारदा वर्मा समेत कुल 113 अफसर-कर्मचारी हैं, जिन्हे एक माह का बजट बोनस देने के आदेश दिए गए हैं। इन सबकी राज्य का सालाना बजट तैयार करने में भूमिका होती है। इसलिए बजट बोनस राशि दी जा रही है। वित्त विभाग के अफसर-कर्मियों को बोनस देने की परंपरा पुरानी है.विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारियों को भी सत्र की अवधि पर अतिरिक्त राशि दी जाती है। ये अलग बात है कि राज्य सरकार के बाकी विभागों को बढ़ा हुआ डीए नहीं मिल पा रहा है। मंत्रालय के बाकी विभाग के कर्मचारी भी बोनस देने की मांग करते रहे हैं। उनका तर्क है कि वो भी बजट तैयार करने में सहभागी होते हैं।

बिल्लस प्रतियोगिताः पुरुष वर्ग में सरगुजा और रायपुर संभाग ने मारी बाजी

रायपुर,09 जनवरी 2023। राजधानी रायपुर में आयोजित 03 दिवसीय राज्यस्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में छत्तीसगढ़ की परम्परा एवं लोक संस्कृति की छटा भी देखने को मिल रही है। इस तीन दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अपने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर इस राज्य स्तरीय आयोजन को और भी यादगार बना दिया। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के दूसरे दिन सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में बिल्लस एकल प्रतियोगिता में जहां एक ओर पुरूष वर्ग में 18 वर्ष से कम आयु समूह में सरगुजा संभाग के मो. सरफराज अंसारी ने प्रथम, बस्तर संभाग के खेम सिंह ने द्वितीय और दुर्ग संभाग के ईशान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 18 से 40 वर्ष के पुरुष वर्ग में सरगुजा संभाग के रामपाल प्रथम, दुर्ग संभाग के पालसिंह द्वितीय एवं रायपुर संभाग के ओमकार तृतीय स्थान पर रहे, तो वहीं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में रायपुर संभाग के गणेश्वर राम निषाद ने प्रथम, सरगुजा संभाग के लालमन सिंह ने द्वितीय और तृतीय स्थान पर बिलासपुर संभाग के रविशंकर ने अपना स्थान पक्का किया।

दूसरी ओर महिला वर्ग में 18 वर्ष से कम उम्र की बालिका वर्ग में बस्तर संभाग की उर्मिला मौर्य प्रथम, रायपुर संभाग की मीनाक्षी ध्रुव द्वितीय और सरगुजा संभाग की काजल सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया। 18-40 वर्ष आयु समूह में सरगुजा संभाग की नंदनी ने प्रथम, बिलसापुर संभाग की सुरुचि केंवट ने द्वितीय और रायपुर संभाग की सुनीता ध्रुव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसी प्रकार 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में बिलासपुर संभाग की नीरा कश्यप ने पहला, बस्तर संभाग की निशा साहू ने दूसरा एवं सरगुजा संभाग की अनीशा मिंज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरूआत की है, जिसका आयोजन अब प्रत्येक वर्ष होगा। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरूआत 06 अक्टूबर 2022 से राजीव गांधी युवा मितान क्लब स्तर से प्रारंभ होकर विभिन्न स्तरों से होते हुए अपने अंतिम पड़ाव राज्य स्तरीय तक पहुंच चुका है, जिसका आयोजन 10 जनवरी 2023 तक होगा।

मैच के टिकट रेट हुआ तय

स्टूडेंट्स को मिलेंगे 300 रुपये टिकट

रायपुर,09 जनवरी 2023। भारत और न्यूजीलैंड वनडे के लिए रायपुर पूरी तरह से तैयार है। प्रशासन के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी है, वहीं टीमों को लेकर पूरे इंतजाम हो गये हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 21 जनवरी को रायपुर का पहला अंतर्राष्ट्रीय वनडे मैच खेला जायेगा। मैच को लेकर टिकट की कीमत भी तय कर दी गयी है।

छत्तीसगढ़ के पहले अंतर्राष्ट्रीय मैच को देखने के लिए आपको ज्यादा जेबें ढीली करनी होगी। हालांकि स्टूडेंट को टिकट में रियायत रहेगी। छात्र-छात्राओं को मैच देखने के लिए 300 रुपये टिकट दर रखा गया है। वहीं 1500 सीटों को स्टूडेंट्स के लिए रिजर्व रखा गया है। ये फ्री सीट रहेगी, जिसमें पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर टिकट मिलेगा।

10 हजार की कॉरपोरेट टिकट

भारत और न्यूजीलैंड वनडे के लिए 10 हजार रूपये तक की अधिकतम टिकट दर रखी गयी है। 21 को होने वाले रायपुर वनडे मैच के लिए अलग-अलग कैटेगरी में टिकट दर निर्धारित की गयी है। इसके तहत 300 रुपये की रियायत टिकट स्टूडेंट के लिए होगी। स्टूडेंट के लिए ऋष्ठ में काउंटर खुलेंगे। वहीं अन्य टिकट की दर 500, 1000, 1250, 1500 रूपये निर्धारित किया गया है। वहीं बाक्स के टिकट दर की बात करें तो सिल्वर की 5000, गोल्ड 6000, प्लैटिनम 7500 और कॉरपोर्टेट 10000 में टिकट मिलेगी।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन ने आज प्रेस कांफ्रेस कर जानकारी दी कि 11 जनवरी से ऑनलाइन टिकट मिलने शुरू हो जायेंगे। सुरक्षा के लिए 500 बाउंसर्स को हायर किया गया है, जो सुरक्षा में तैनात रहेंगे। स्कूली बच्चों के लिए 1500 सीट रिजर्व रहेगा। इस मैच के लिए मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है। 19 तारीख को आएंगी टीम, 20 को प्रैक्टिस करेगी।

5 किलो का आईईडी बम बरामद

नारायणपुर ,09 जनवरी 2023। बीडीएस पार्टी ने निरीक्षण के दौरान गोर्रा ग्राम के समीप कच्चे रास्ते के किनारे नक्सलियों द्वारा लगाए 5 किलोग्राम के दो टिफिन बम (आईईडी) बरामद किया. सुरक्षा को ध्यान मे रखते मौके पर ही आईईडी को नष्ट किया गया.पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गोर्रा जाने वाले कच्ची रास्ते पर नक्सली पर्चा फेंका हुआ है. घटना की तस्दीक करने डीआरजी बल और थाना स्टाफ रवाना हुई. सावधानीपूर्वक निरीक्षण में ग्राम गोरी जाने वाले कच्चे रास्ते पर नक्सलियों के फेके गए पाम्पलेट बरामद किए गए.इसके साथ ग्राम गोर्रा के 150 मीटर पहले टेकरी के नीचे कच्चे रास्ते के किनारे 25 किलोग्राम के 2 टिफिन बम (आईईडी) बरामद किया गया.

आवश्यकता है

मिलन जोन होटल में कार्य करने हेतु अनुभवी कार्यकर्ता की आवश्यकता है।

रसोईया- 4 पद
योग्यता- पूर्व अनुभव आवश्यक
वेतन-15,000 मासिक+भोजन

रसोईया हेल्फर - 2 पद
योग्यता- पूर्व अनुभव आवश्यक
वेतन-10,000 मासिक+भोजन

सफाई कर्मचारी - 5 पद
योग्यता- पूर्व अनुभव आवश्यक
वेतन-6000 मासिक+भोजन

वेटर - 5 पद
योग्यता- पूर्व अनुभव आवश्यक
वेतन-6000 मासिक+भोजन

पता- पावर हाउस रोड,नमनाकला,अम्बिकापुर
फोनः- 88153-53947

मुंशी को नक्सलियों ने किया रिहा

बस रोककर किया था अगवा

बीजापुर ,09 जनवरी 2023। बीजापुर में नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगे मुंशी को अगवा कर लिया. थोड़ी देर बाद मुंशी को नक्सलियों ने रिहा कर दिया. बताया जा रहा है कि उससे पूछताछ के बाद नक्सलियों ने मुंशी को छोड़ दिया. नक्सलियों को बस में पुलिस जवानों के सफर की जानकारी मिली थी. जिसमें बाद नक्सलियों ने हाईवे पर पहुंचकर बस को रोका और मुंशी कृष्णा केजी को यात्री बस से उतारकर अपने साथ ले गए. नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे. लेकिन कोई बड़ी घटना को उन्होंने अंजाम नहीं दिया. लेकिन नक्सली की इस हरकत से इलाके में दहशत फैल गई है.इस घटना के बारे में पुलिस कुछ भी नहीं बता रही है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने बीजापुर से बासागुड़ा तक चलने वाली बस को स्टेट हाईवे पर रोका और बस में पुलिस और सुरक्षाबलों के जवानों की तलाश करने लगे. लेकिन बस में पुलिस और सुरक्षाबल का कोई जवान नहीं मिला. जिसके बाद नक्सलियों ने मुंशी कृष्णा केजी को अगवा किया और अपने साथ ले गए. बस में और भी यात्री सवार थे. जिन्हें नक्सलियों ने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया. मुंशी को अगवा करने के बाद नक्सली उसे ले जाकर पूछताछ करने लगे. फिर उसे आधा घंटे बाद रिहा कर दिया. मुंशी कृष्णा केजी को नक्सलियों ने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया. लेकिन इस तरह की वारदात से एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप है.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)